रोहतक
रोहतक, सोमवार 13 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
एकादशी वर्ष : 30, अंक : 68
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 35.3
न्यून. 13.4

haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

09 गुजरात की दूसरी जीत, लखनऊ ढेर बटलर-गिल की फिफ्टी, कृष्णा का कहर

वार्ता बेनतीजा... अब जहाजों से टोल लेने पर भिड़े अमेरिका-ईरान

ट्रम्प का ऐलान : होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेंगे

ईरान ने कहा-स्ट्रेट पर हमारा कंट्रोल यहां से गुजरने पर देना ही होगा टोल

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन/तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में 21 घंटे चली शांति वार्ता बेनतीजा रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा रहा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऐलान किया है कि अमेरिकी नेवी अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की नाकाबंदी करेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि जो भी जहाज इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करेगा, उसे रोका जाएगा और जांच की जाएगी। खास तौर पर उन जहाजों पर नजर रखी जाएगी, जिन्होंने ईरान को टोल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि जो जहाज ईरान को गैरकानूनी टोल देंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता नहीं दिया जाएगा। अमेरिका किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। जरूरत पड़ने पर युद्ध खत्म करने के लिए कार्रवाई करेगा। इससे पहले ईरान के उप संसद अध्यक्ष हाजी बाबाई ने कहा था कि यह स्ट्रेट ईरान के कंट्रोल में है। उन्होंने इसे तेहरान की रेड लाइन बताया और कहा कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को ईरानी करेंसी रियाल में टोल देना होगा।

- ट्रम्प बोले, सही समय आने पर कार्रवाई करेंगे
- जो देश गैर कानूनी टोल देंगे उन्हें रास्ता नहीं मिलेगा
- ईरान बोला, अमेरिका भरोसा जीतने में नाकाम रहा
- पुतिन ने मिडिल ईस्ट से शांति के लिए मध्यस्थता की पेशकश की

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बारूदी सुरंग हटाता अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिका ने हम पर भरोसा नहीं किया

ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने इस्लामाबाद में हुई बातचीत खत्म होने के बाद अपना पहला आधिकारिक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि इस दौर की बातचीत में दूसरा पक्ष (अमेरिका) ईरानी प्रतिनिधियों का भरोसा जीतने में नाकाम रहा। गालिबाफ ने कहा कि बातचीत शुरू होने से पहले ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि ईरान की ओर से नीयत और इच्छा दोनों मौजूद हैं, लेकिन पिछले दो युद्धों के अनुभवों की वजह से उन्हें दूसरे पक्ष पर भरोसा नहीं है। गालिबाफ ने इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पाकिस्तान का धन्यवाद किया।

ईरान ने होर्मुज खोलने का वादा पूरा नहीं किया : यूएस

ट्रम्प ने कहा है कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने का वादा किया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया। इससे दुनिया के कई देशों और लोगों में डर और परेशानी बढ़ी है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने समुद्र में बारूदी सुरंगें होने की बात कही है, जिससे जहाजों के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसी वजह से कोई भी जहाज इस रास्ते से जाने में जोखिम नहीं लेना चाहता। उन्होंने कहा कि इससे ईरान की इमेज को नुकसान पहुंचा है और अब उसे जल्दी से यह रास्ता खोलना चाहिए। ट्रम्प ने बताया कि उन्हें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस्लामाबाद बैठक के बारे में पूरी जानकारी दी है। यह बैठक पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ की लीडरशिप में पूरी हुई। ट्रम्प ने ये भी कहा ये दोनों शानदार इंसान हैं।

पिछले 24 घंटे में ये रहा घटनाक्रम

पाकिस्तान में बातचीत बेनतीजा : अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। वेंस ने कहा कि हमें पूरी तरह भरोसा चाहिए कि ईरान न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही ऐसी तैयारी करेगा जिससे वह जल्दी हथियार बना सके।

नेतन्याहू बोले- अभियान अभी खत्म नहीं : इजराइली पीएम नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। हमले इसलिए किए गए क्योंकि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब था।

इमोशनल मैसेज : ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ रात प्लेन में बच्चों की तस्वीरें रखकर पाकिस्तान पहुंचे। ये बच्चे 28 फरवरी को मिसाइल हमले में मारे गए थे। इसका इल्जाम अमेरिका-इजराइल पर लगा था।

लेबनान में हमले जारी : लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हमलों में रविवार को कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है।

कई अंग फेल होने पर हुई थी अस्पताल में भर्ती, 70 साल तक हिंदी सिनेमा में बिखेरा अपनी आवाज का जादू

नहीं रहीं सुरों की मल्लिका आशा ताई, 92 साल की उम्र में निधन

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था। ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर यानी कई अंग फेल होने के कारण उनका निधन हुआ। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे सोमवार सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार सोमवार शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

जन्म : 8 सितंबर 1933, निधन : 12 अप्रैल 2026

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा भोसले ने अपने करियर में 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी लोकप्रिय हैं। आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं। जब वो सिर्फ 9 साल की थीं तब उनके पिता का निधन हो गया था, जिसकी वजह से उन्होंने बहन लता मंगेशकर के साथ मिलकर परिवार को सपोर्ट करने के लिए सिंगिंग शुरू कर दी थी।

महाराष्ट्र के सांगली में जन्म

8 सितंबर 1933 में आशा भोसले का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में हुआ। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर, रंगमंच कलाकार थे। घर में तंगहाली का वो आलम था कि बड़ी बहन लता मंगेशकर का जब स्कूल में दाखिला करवाया गया, तो वो आशा को चोरी-छिपे स्कूल ले जाने लगीं। मास्टर से छिपकर वो आशा को साथ बैठा लेती थीं।

16 की उम्र में भागकर शादी की

आशा भोसले को महज 16 साल की उम्र में बड़ी बहन लता के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से प्यार हो गया। गणपत राव उम्र में 15 साल बड़े थे। आशा जानती थीं कि परिवार इस रिश्ते को नहीं अपनाएगा, तो उन्होंने 16 की उम्र में घर से भागकर गणपत राव से शादी कर ली। यह फैसला उनके लिए खुशियों से ज्यादा तकलीफें लेकर आया। शादी के बाद उन्हें अपने पति और ससुराल वालों से अच्छा व्यवहार नहीं मिला। वक्त बीतता गया और रिश्ते में कड़वाहट भी बढ़ती गई। शक और तनाव से भरे इस रिश्ते ने कुछ साल बाद ही दम तोड़ दिया। गणपतराव ने उन्हें घर से निकाल दिया। उस वक्त आशा दो बच्चों के साथ थीं और तीसरे बच्चे की मां बनने वाली थीं। मजबूरी में उन्हें अपने मायके लौटना पड़ा। साल 1960 में दोनों अलग हो गए। *(अब यादों में आशा पढ़े पेज -7)*

हमेशा गूंजती रहेगी आशा की आवाज : मोदी

नरेंद्र मोदी ने आशा भोसले के निधन पर कहा, 'भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। मैं उनके साथ हुई मुलाकातों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के साथ हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।'

खबर संक्षेप

गिल ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ । गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 19वें मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 7 विकेट से हराया। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को शुभमन गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। वे 4000 रन पूरे करने वाले सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज बने। मैच में एक और बड़ा रिकॉर्ड जोस बटलर के नाम रहा। उन्होंने 100वीं टी-20 फिफ्टी पूरी की और इसी दौरान टी-20 क्रिकेट में 14 हजार रन का आंकड़ा पार किया। शुभमन गिल आईपीएल में 4000 रन पूरे किए। उन्होंने 26 साल 216 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। *(खेल पेज भी देखें)*

पंजाब में 'बेअदबी' पर होगी उम्रकैद: मान

अमृतसर। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान करने वालों के लिए उम्रकैद की सजा से जुड़े एक विधेयक को मंजूरी दी है। मान की अध्यक्षता में हुई सूबे के मंत्रिमंडल की बैठक में जागृत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी गई। 25 लाख तक जुर्माना का भी प्रस्ताव है। (एजेंसी)

15 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन शुरू

तीन जुलाई से 57 दिन चलेगी अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। एलजी सिन्हा ने बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा।

- गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर होगी

लश्कर के नेटवर्क का पर्दाफाश

हरियाणा व राजस्थान से कई लोग गिरफ्तार

श्रीनगर/नयी दिल्ली (एजेंसी)। लश्कर-ए-तैयबा आतंकी समूह के अंतरराज्यीय नेटवर्क पर कार्रवाई तेज करते हुए, जम्मू कश्मीर पुलिस ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय में हरियाणा और राजस्थान से कई लोगों को हिरासत में लिया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने आतंकियों को पासपोर्ट समेत फर्जी पहचान पत्र हासिल करने में मदद की थी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि हिरासत में लिए गए व्यक्तियों ने आधार कार्ड, स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड और मतदाता कार्ड जैसे दस्तावेज बनाकर आतंकवादियों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। इस जांच का नेतृत्व श्रीनगर पुलिस ने किया, जिसने पूरी खुफिया जानकारी जुटाई। हालांकि, जैसे-जैसे इस अभियान का दायरा और इसके व्यापक सुरक्षा प्रभाव स्पष्ट होते गए, मामले में केंद्रीय एजेंसियों और अन्य राज्यों की पुलिस को शामिल किया गया, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों में फैले इस नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जा सके।

- पासपोर्ट समेत फर्जी पहचान पत्र हासिल करने में मदद की थी

गोहाना के देवीनगर में वारदात

पिता ने चाकू से गला काट की बेटी की हत्या

गोहाना (हरिभूमि न्यूज)। गोहाना के देवी नगर में एक व्यक्ति ने अपनी बेटी को चाकू से वार करके मौत के घाट उतार दिया। युवती अपनी पसंद के युवक से शादी करना चाहती थी, जबकि परिवार इसके खिलाफ था। इसी बात को लेकर घर में कहासुनी भी हुई। पुलिस ने आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया। देवी नगर की 23 वर्ष की चीनू शहर के एक निजी कॉलेज में एएनएम द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। रविवार सुबह घर में झगड़ा हुआ। इसके कुछ समय बाद पिता अनिल ने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और गला काटकर बेटी की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दरवाजा खुलवाने पर आंगन में गेट के पास चीनू का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। डीसीपी जितेंद्र गहलावत सहित पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

- अपनी पसंद के युवक से करना चाहती थी शादी

हरिद्वार पुलिस ने किया रेस्क्यू, बड़ी अनहोनी टली

गंगा में अचानक जलस्तर बढ़ने से फंसे हरियाणा और राजस्थान के 21 लोग

हरिद्वार (एजेंसी)। । हरिद्वार में रविवार को सुबह 10 बजे गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के 21 लोग बीच टापू पर फंस गए। स्थिति कुछ ही देर में गंभीर हो सकती थी, लेकिन समय रहते पुलिस और जल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। सभी लोग यहां पर गंगा में स्नान करने गए थे, तभी ऊपरी क्षेत्रों से पानी छोड़े जाने के कारण नदी का बहाव तेज हो गया। देखते ही देखते टापू चारों तरफ से पानी से घिर गया और वहां मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई।

पानी में बोट उतार रस्सियों से खींचा

टापू पर स्नान कर रहे थे सभी

हरिद्वार में स्थित कबीर कुटीर घाट के पास सप्तऋषि क्षेत्र में गंगा नदी के बीच बने टापू पर लोग स्नान कर रहे थे। इसी दौरान अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया, बताया जा रहा है कि ऋषिकेश बैराज और चीला बैराज से पानी छोड़ा गया था, जिसके कारण कुछ ही मिनटों में ये टापू चारों ओर से पानी से घिर गया।

सात महिलाएं और 4 बच्चे शामिल

टीम ने पानी में उतर रस्सियां फेंकी, और फिर एक एककर सभी को बोट पर बैठाया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कुल 21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें 10 पुरुष, 7 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं। सभी लोग दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के निवासी बताए जा रहे हैं। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

चुनाव आयुक्त करेंगे प्रेस कांफ्रेंस

तीन नगर निगमों के लिए चुनाव की घोषणा आज!

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

हरियाणा के चुनाव आयुक्त ने 13 अप्रैल को प्रेस कांफ्रेंस बुला ली है। माना जा रहा है कि नगर निगमों में चुनावों की तारीखों का ऐलान सोमवार 12 बजे की इस पीसी में कर दिया जाएगा। यहां पर बता दें कि पंचकूला नगर निगम के अलावा अंबाला शहर और सोनीपत नगर निगमों के चुनाव होने हैं। तीनों ही निगमों में मेयर का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। अंबाला शहर, पंचकूला और सोनीपत में कब कब मेयर का कार्यकाल समाप्त हुआ, इस पर हरिभूमि ने सबसे पहले रिपोर्ट दी थी। जिलों में कामकाज भी इस दिशा में चल रहा था, अब वार्डबंदी और अन्य तैयारी पूर्ण हो जाने के साथ ही चुनावों की तारीखों के ऐलान की तैयारी हो गई है। निगमों के अलावा नगर परिषद रेवाड़ी और सांपला नगर पालिका, उकलाना धारुहेड़ा में भी चुनाव होने हैं।

- राजनीतिक पार्टियां मजबूत उम्मीदवारों की तलाश में
- भाजपा किसी एक चेहरे को अभी तक फाइनल नहीं कर पाई

डिप्लोमेटिक रिश्ते तोड़ेंगे, भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे

एयरलाइन्स पर भी रोक लगाने की दी धमकी

युगांडा आर्मी चीफ कैनेरुगाबा ने तुर्किये से मांगी सबसे खूबसूरत महिला, कहा- शादी करूंगा

एजेंसी ▶▶| कम्पाला

युगांडा के आर्मी चीफ और राष्ट्रपति के बेटे मुहूजी कैनेरुगाबा ने तुर्किये से 1 अरब डॉलर (9000 करोड़) और देश की 'सबसे खूबसूरत महिला' को अपनी पत्नी बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं हुई तो तुर्किये से कूटनीतिक संबंध खत्म कर दिए जाएंगे और तुर्किश एयरलाइन पर रोक लगाई जा सकती है। कैनेरुगाबा ने एक्स पर लिखा कि अगर तुर्किये ने हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो 30 दिन में संबंध तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि या तो वे भुगतान करें या हम उनका दूतावास बंद कर देंगे। उन्होंने युगांडावासियों को तुर्किये यात्रा से बचने की सलाह दी और इजराइल के समर्थन में 1 लाख सैनिक भेजने की पेशकश की। हालांकि, इस पर तुर्किये की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

50 साल के कैनेरुगाबा को माना जाता है पिता और राष्ट्रपति योवेरी का संभावित उत्तराधिकारी

सोमालिया मिशन का हवाला देकर 1 अरब डॉलर मांगे

कैनेरुगाबा ने पोस्ट में तुर्किये पर आरोप लगाया कि उसने सोमालिया में इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स से फायदा उठाया, जबकि युगांडा ने अल-शबाब जैसे आतंकी संगठनों से लड़ने का बोझ उठाया। इसी आधार पर उन्होंने 1 अरब डॉलर की मांग की। हाल ही में भी कैनेरुगाबा ने सोशल मीडिया पर कई विवादित पोस्ट किए हैं। उन्होंने विपक्षी नेता बॉबी वाइन को लेकर सिर काटने जैसी धमकी दी, जिस पर काफी विवाद हुआ। हालांकि बाद में उन्होंने इसे मजाक बताया और माफी मांग ली। इसी बीच, कैनेरुगाबा ने कुछ दिन पहले एक्स अकाउंट हटा दिया था। फिर उन्होंने 'आई एम बैक' लिखकर वापसी की घोषणा की और कहा था कि वे दुनिया को हिला देंगे। वापसी के बाद उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आदेश दिया कि जो भी व्यक्ति सेना जैसी वर्दी में दिखे, उसे तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने एक अमेरिकी राजनयिक को गिरफ्तार करने की धमकी दी, अगर वह उन्हें सलाम नहीं करता।

आग का तांडव : कैथल, रोहतक, जींद और सोनीपत में किसानों की फसल जली

कैथल में 53, जींद में 25, रोहतक में 20 और सोनीपत पांच एकड़ में गेहूं खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

गांव बाबा लदाना में रविवार को अचानक गेहूं की फसल में लगी आग से करीब 53 एकड़ खड़ी फसल जलकर राख हो गई। यह आगजनी की घटना गांव बाबा लदाना और बुढ़ा खेड़ा के बीच हुई, जिसमें बाबा लदाना के किसानों की फसल जल गई। दोनों गांवों के बीच एक रजबाहा है, जिसके नजदीक खेतों में आग लगी। आग दोपहर को करीब दो बजे लगी। जैसे ही पास से गुजर रहे लोगों ने खेतों में आग देखी तो तुरंत किसानों और फायर ब्रिगेड का इसकी सूचना दी। गांव के लोग ट्रैक्टर व हैरो लेकर खेतों में पहुंच गए। दो कैथल व एक एक कलायत और धैनारी से फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में लग गए। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

आग बुझाने पहुंचे किसान

हालांकि अभी तक आगजनी के कारणों का पता नहीं लग पाया है, लेकिन फायर ब्रिगेड के अधिकारी आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

एसडीएम से मिले किसान, हरसंभव मदद का आश्वासन

अनुमान लगाया जा रहा है कि यह आग या तो कहीं पर शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है या फिर कहीं से कोई चिंगारी खेतों में गिरी, जिसने इतने क्षेत्र में खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी की इस घटना में किसान रतना बाबा लदाना की 18 एकड़, जयभगवान की 6 एकड़, सुमेरचंद की चार एकड़ गेहूं, सीता राम की 8 एकड़, जगदीप सिंह की चार एकड़, संदीप की डेढ़ एकड़, सीता राम की ढाई एकड़, पीपी सैनी की चार एकड़ व प्रवीन की तीन एकड़ व अन्य किसानों की फसल जल गई। आगजनी की सूचना मिलने पर कैथल के एसडीएम गांव बाबा लदाना पहुंचे तथा आगजनी से प्रभावित किसानों से बातचीत की। उन्होंने किसानों को सरकार की ओर से हर संभव मदद दिलाने का भी आश्वासन दिया।

जींद : आगजनी से नाराज किसानों ने रोड जाम किया

जींद। गांव लोहचब के लोगो ने शार्ट सर्किट से गेहूं के खेतों में आग लगने तथा फायर बिग्रेड के देरी से पहुंचने से खफा हो कर जींद - सफीदो मार्ग पर जाम लगा दिया। किसानों के बिफरने की सूचना पाकर एसडीएम सत्यवान मान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हरसंभव सहायता का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। लगभग पौना घंटे लगे जाम के कारण वाहन चालकों तथा यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। गांव लोहचब तथा आस पास गांव के किसानों का गुस्सा रविवार शाम को उस समय फूट पड़ा जब गांव लोहचब के खेतो मे शार्ट सर्किट सें आग भड़क उठी। वहीं सोनीपत में आग से फसल जल गई।

रोहतक : भैयापुर में तारों से निकली चिंगारी से आग लगी

वहीं रोहतक जिले के भैयापुर गांव से बोहर रोड पर खेतों में खड़ी गेंहू की फसल में रविवार को आग लग गई। सूचना पाकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग लगने के कारण 24-25 एकड़ फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर करीब सवा एक बजे खेतों के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों से चिंगारी निकली जो पकी हुई फसल में गिरी। इसी चिंगारी के कारण आग लगी।

आयुष्मान योजना का भुगतान अटका, निजी अस्पताल संचालक बोले- ऐसे इलाज संभव नहीं

■ चार-पांच माह से लंबित भुगतान पर आईएमए नाराज, मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

आयुष्मान भारत योजना के तहत हरियाणा में निजी अस्पतालों को भुगतान में हो रही देरी के कारण मरीजों को आने वाले दिनों में बड़ा झटका लग सकता है। निजी अस्पताल संचालकों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने लंबित भुगतान को लेकर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर जल्द समाधान की मांग की है। आईएमए हरियाणा की प्रधान डॉ. सुनीला सोनी और पूर्व प्रधान डॉ. अजय महाजन ने बताया कि चार से पांच माह पहले जारी किए जाने वाले भुगतान भी अभी तक नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार के हस्तक्षेप के बाद करीब 230 करोड़ रुपये जारी करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन यह राशि अब तक अस्पतालों को नहीं मिली है।

500 करोड़ से अधिक का भुगतान लंबित

आईएमए पदाधिकारियों के अनुसार, प्रदेश में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लंबित है। सितंबर 2025 से लेकर अब तक के क्लेम अटके हुए हैं। कई बार आपत्तियों का जवाब देने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया, जिससे अस्पताल संचालकों में असंतोष बढ़ रहा है।

इंपैनल्ड अस्पतालों में बढ़ी नाराजगी

भुगतान में लगातार देरी के कारण कई निजी अस्पताल आयुष्मान योजना से बाहर होने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ अस्पताल संचालकों ने इंपैनल्ड सूची से नाम वापस लेने के लिए पत्र भी लिख दिए हैं। 7 अप्रैल को हुई ऑनलाइन बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए सामूहिक रूप से योजना से अलग होने का निर्णय लिया गया।

20 अप्रैल तक अल्टीमेटम

आईएमए ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 20 अप्रैल 2026 तक भुगतान और अन्य समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो निजी अस्पतालों के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत सेवाएं जारी रखना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार इलाज का जल्द भुगतान करें।

कमेटियों में शामिल न करने पर सवाल

आईएमए ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बावजूद संगठन के प्रतिनिधियों को 'एम्पैनलमेंट और ग्रीवेंस कमेटी' में शामिल नहीं किया गया है। पिछले पांच महीनों में इन समितियों की बैठक भी नहीं हुई है, जिससे समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा।आईएमए पदाधिकारियों का कहना है कि भुगतान में देरी के चलते तकनीकी समस्याएं बढ़ गई हैं, जिसके कारण नेशनल हेल्थ अथॉरिटी का पोर्टल भी प्रभावित हुआ है। इस संबंध में भी प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेजा गया है। वहीं आईएमए हरियाणा की प्रधान डॉ. सुनीला सोनी ने कहा कि हम लगातार सरकार और प्राधिकरण के संपर्क में हैं, लेकिन समय पर भुगतान नहीं मिलने से अस्पतालों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में योजना के तहत सेवाएं जारी रखना कठिन होता जा रहा है।

संत कबीर कुटीर में जनता दरबार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को संत कबीर कुटीर में प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं व अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

खरीद व उठान धीमा होने से टूट रहा अन्नदाता का हौसलाः गुप्ता

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. सुशील गुप्ता ने राज्य के किसानों पर दोहरी मार पड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एक ओर अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद और उठान धीमा है, जिससे अन्नदाता परेशान होकर सड़कों पर बैठने को मजबूर है, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार द्वारा 'खाद राशनिंग' लागू कर किसानों के साथ बड़ा अन्याय किया जा रहा है।डॉ. गुप्ता ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में 20 लाख टन से अधिक गेहूं की आवक हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। इसके बावजूद मात्र 49 हजार टन गेहूं का उठान होना सरकार की प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। उन्होंने जींद और फतेहाबाद की मंडियों में सामने आए 'नमी स्कैम' का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि सरकारी मीटरों में 6% तक अधिक नमी दिखाकर किसानों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जहां निजी मीटरों में नमी 11-12% दिखाई देती है, वहीं सरकारी मीटरों में इसे 16-17% दर्शाया जा रहा है।

अनिल विज ने ऊर्जा, परिवहन और श्रम विभाग में तबादलों पर रोक लगाई

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम विभागों जैसे अहम विभागों के मंत्री और वरिष्ठ नेता अनिल विज ने साफ कर दिया है कि उनके विभागों में अधिकारियों और कर्मियों के तबादले, अतिरिक्त प्रभार आदि उनकी बिना अनुमति के नहीं किए जाएं। विज ने इस तरह के आदेश एक नोट के माध्यम से बिजली कंपनियों के एमडी, एसीएस और श्रम के साथ साथ परिवहन विभाग में भी भेजे हैं। विज ने स्थानांतरण बिना बताए होने और विभागों में बिना वजह के हस्तक्षेप को लेकर इस तरह के आदेश जारी किए हैं। विज के आदेशों के बाद में साफ कर दिया गया है कि अगर आदेशों की अवहेलना की गई, तो इस तरह के जिम्मेदार अफसरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।कैबिनेट विज नें अपने अधीन आने वाले विभागों और उर्जा, परिवहन, श्रम प्रशासनिक अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं।

इंडस्ट्रियल प्लाटों के री अलॉटमेंट का मामला

अफसरों पर कसेगा शिकंजा सीबाआई ने तेज की जांच

■ नियमों को ताक पर रखकर 14 प्लाट आवंटित करने का आरोप

चंडीगढ़। एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद औद्योगिक प्लाटों की बंदरबांट करने का मामला कुछ अफसरों के गले की फांस बनता नजर आ रहा है। सीबीआई हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (पूर्व में हूडा) के तत्कालीन मुख्य प्रशासक और तत्कालीन अफसरों पर शिकंजे की तैयारी में है। तत्कालीन मुख्य प्रशासक रहे डीपीआर नागल के विरुद्ध अभियोग चलेगा। लंबे समय से इंडस्ट्रीयल प्लाटों की पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार के वक्त में बंदरबांट का मामला अभी भी ठंडे बस्ते में नहीं गया है, बल्कि लगभग 13 साल के बाद भी उक्त पूरे मामले में शिकंजा कसने की तैयारी है। यहां पर बता दें कि 14 इंडस्ट्रियल प्लॉट पंचकूला में रीअलाट करने, नियमों को ताक पर रखने, अपने चेहतों को प्लाट आबंटित करने के कारण उक्त पूरे मामले में सीबीआई जांच के लिए हरियाणा सरकार ने लिखा था। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह सरकार के फैसलों पर अब एक बार फिर से सीबीआई शिकंजा कसने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि तत्कालीन हरियाणा शहरी विकास डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचयूडीए) के मुख्य प्रशासक और डीसी स्तर के अफसरों पर केस की तैयारी है। यहां पर याद रहे कि पूर्व मुख्यमंत्री हरियाणा के कार्यकाल में पंचकूला में 14 इंडस्ट्रियल प्लॉटों के आवंटन का मामला करीब 13 साल बाद सुर्खियों में आ गया है।

GALGOTIAS UNIVERSITY

Ranked Globally. Committed to making India Proud.

NAAC GRADE A+ Accredited University

QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
BY SUBJECT 2026

For Computer Science and Information Systems

Ranked
11*th*
in India amongst Private Universities

Ranked
2*nd*
in Uttar Pradesh amongst Private Universities

Ranked
30*th*
in India amongst all Private *and* Government Universities

Ranked
601-650
Band Globally

Launched India's Finest Active Learning Campus
In consultancy collaboration with
INSPIRE
NANYANG TECHNOLOGICAL UNIVERSITY SINGAPORE

G-SCALE
GALGOTIAS STUDENT CENTERED ACTIVE LEARNING ECOSYSTEM
• Critical Thinking • Collaboration • Engagement • Experiential Learning

G-SCALE moves education beyond passive lectures to an environment where students actively engage in real-world problem-solving, collaboration, and experiential learning.

Centre for Drone Intelligence & Simulation
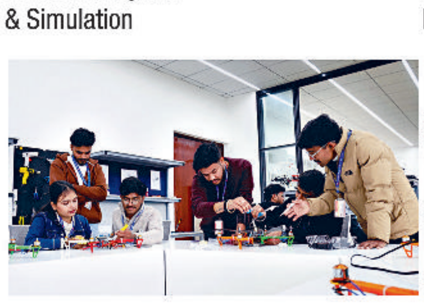

Next Gen Structure and Smart Hydraulics Lab
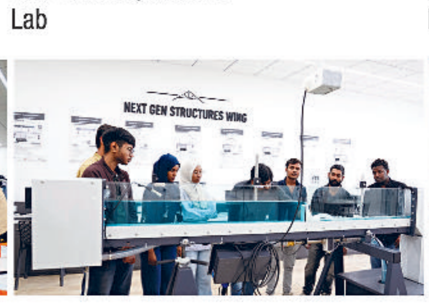

Centre of Excellence - Tableau AI Data Lab

HP-Intel AI for Future Workforce Lab

Semiconductor Research Lab
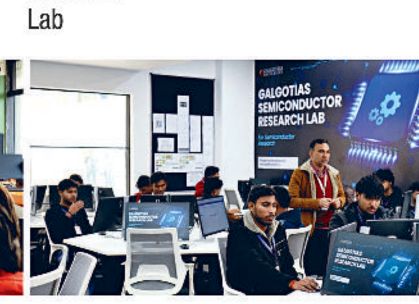

INDUSTRY INTEGRATED ACADEMIC CENTRES

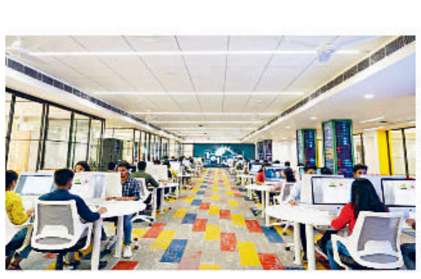
Centre for Supercomputing & Advanced AI Research anchored by NVIDIA DGX H200 GPUs

Advanced Geotechnical and Earth Science Centre

Centre for Design Thinking & Augmented Reality

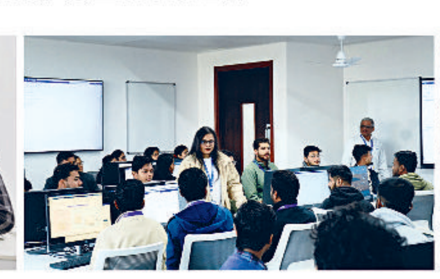
TATA Technologies Learning Centre

CISCO Networking Academy
Cisco Centre of Excellence

APPLY TODAY FOR CAREER FOCUSSED 2026–27 UG/PG/DIPLOMA/Ph.D. PROGRAMMES
Computer Science and Engineering | Electronics and Communication Engineering | Electrical Engineering | Mechanical Engineering | Civil Engineering | Computer Applications and Technology | Defence Technology | Artificial Intelligence | Business | Aviation | Logistics and Supply Chain Management | Tourism Management | Liberal Education | Languages | Finance & Commerce | Basic Sciences | Biosciences and Technology | Forensic Sciences | Agriculture | Law | Pharmacy | Allied Health Sciences | Nursing | Media and Communication Studies | Hospitality | Design | Education | Polytechnic | Vocational Education | Skilling and Entrepreneurship

For Admissions Scan to Apply

GALGOTIAS UNIVERSITY

#GetYourSelfPlaced

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **9971026125** **0120-4370000**
Web: www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in

2016 आगजनी केस : युवाओं के रिहा होने पर कैप्टन अभिमन्यु को समाज के प्रतिनिधियों ने किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र जाट धर्मशाला में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह

लाशों पर राजनीति करने वालों से समाज को सचेत रहने की जरूरत : कैप्टन अभिमन्यु

तरुण वधवा ▶▶ कुरुक्षेत्र

पूर्व वित्त मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की धरती उनके लिए प्रेरणादायक रही है। वे जब भी यहां आते हैं यहां से कुछ न कुछ प्रेरणा लेकर जाते हैं। यदि हम सब मिलजुकर काम करेंगे तो देश भी आगे बढ़ेगा, हरियाणा भी आगे बढ़ेगा और हमारा समाज भी आगे बढ़ेगा। कैप्टन अभिमन्यु रविवार को जाट धर्मशाला में भाईचारा स्नेह मिलन समारोह में मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। जाट आरक्षण के दौरान आगजनी के मामले में 57 युवकों के रिहा होने पर समाज के प्रतिनिधियों ने कैप्टन अभिमन्यु को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि वर्ष 2016 में जाट आरक्षण के दौरान षड्यंत्र रचे गए। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि अभिमन्यु को षड्यंत्रों की परवाह नहीं है। हजारों साल के बाद भी अभिमन्यु को इसलिए याद किया जाता है कि षड्यंत्र के बावजूद चक्रव्यूह में फंसकर भी वह शहीद कहलाया है, वह कायर नहीं कहलाया है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हमें चक्रव्यूह की परवाह नहीं है, लेकिन चक्रव्यूह में हमारा समाज है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि मिलजुल कर किसी भी षड्यंत्र का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो नेता अपने समाज को हिंसा के रास्ते पर लेकर जाए वह नेता नेतृत्व करने के योग्य नहीं है। नौजवानों को हिंसा के लिए भड़काने वाला समाज का भला नही कर सकता है। लोगों की लाशों पर राजनीति करने वालों से समाज को सचेत रहने की जरूरत है। जो भी समाज को तोड़ने की कोशिश करे हमें ऐसे लोगों से अपनी पीढ़ी को बचाने की जरूरत है। ये आजाद हिंदुस्तान है। अपनी बात रखने का अधिकार जनता का भी है और विपक्ष का भी है। अपने बात उठानी भी चाहिए और उसके लिए संघर्ष करना भी चाहिए तभी लोकतंत्र स्वस्थ रहेगा।

कुरुक्षेत्र। जाट धर्मशाला में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु को सम्मानित करते प्रबुद्ध लोग। फोटो : हरिभूमि

सर छोटू राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

समाज में भाईचारा मिटने से कहीं न कहीं आज कटुताएं बनी हुई हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि बहुत सारी ऐसी राजनीतिक ताकत रहीं, जिन्होंने हरियाणा के समाज के भाईचारे के अंदर आपस के विश्वास को तोड़कर एक खाई बनाने का काम किया है। जिसने भी किया है, उसको जाति विरोधी नहीं, समाज विरोधी नहीं बल्कि मैं उनको मानवता विरोधी और देश विरोधी मानता हूं। इससे पहले समारोह में पहुंचने पर पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु का जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने स्वागत किया। कैप्टन अभिमन्यु ने धर्मशाला में स्थापित सर छोटू राम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उनके साथ समाजसेवी गुरदयाल कड़ामी, भाजपा के प्रदेश सचिव राहुल राणा व तुषार ढांडा मौजूद रहे। मंच संचालन प्रो. गुरमेज सिंह संधौर ने किया।

समाज ने सिंधु परिवार का जताया आभार

समारोह में मौजूद जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद, भाजपा प्रवक्ता रविंद्र सांगवान, भाजपा के प्रदेश सचिव राहुल राणा, गुरदयाल कड़ामी, दयानंद देशवाल, तुषार ढांडा, राजेश ढांडा, डॉ. हवा सिंह, अभिमन्यु वीरू कड़ामी व गुरनाम मलिक सहित समाज के प्रबुद्ध लोगों ने एकमत से कहा कि जाट आंदोलन के दौरान कैप्टन अभिमन्यु व उनके परिवार ने बहुत बड़ा नुकसान झेला। उन्होंने 36 बिरादरी के भाईचारे को बचाने के लिए खाप पंचायतों व अन्य संगठनों के कहने पर युवाओं को माफ करने का जो फैसला लिया वह उनकी सोच व व्यक्तित्व को दर्शाता है। इसके लिए सभी ने सिंधु परिवार का आभार जताया।

हांसी के राधा स्वामी आश्रम में बैसाखी के अवसर पर सत्संग में उमड़े अनुयायी

सतगुरु के चरणों में बैठकर परमात्मा का बखान करने से मिलता है सत्संग का पूर्ण लाभ : कंवर जी महाराज

हांसी। आश्रम में सत्संग फरमाते परमसंत सतगुरु कंवर जी महाराज।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

जिस झूठी मान बड़ाई के लिए हम दिन रात पाप कमाते हैं उससे जुटाया गया एक तिनका भी हमारे साथ नहीं जाएगा। हम उन वस्तुओं के लिए कष्ट उठाते हैं जो यहीं रह जाएंगी। जो हमारे साथ जाएगा, उसके लिए तो हम प्रयास ही नहीं कर रहे। जो साथ जाएगा वो है परमात्मा का नाम। सतनाम के साथ ऐसी विरह पैदा करो जैसे पतंगा दीपक के लिए करता है, भंवरा फूल के लिए, चकोर चांद के लिए करता है। ये विरह तब तक नहीं आएगी जब तक मन के साथ चलोगे। ये विरह पैदा होगी गुरुमुखता के साथ। मन की नहीं गुरु की मानो और सत्कर्म करो। सतगुरु के चरणों में बैठकर परमात्मा के गुणों का बखान करने से सत्संग का पूर्ण लाभ मिलता है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने रविवार को बैसाखी के अवसर पर भिवानी रोड स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। उन्होंने कहा कि बैसाखी कृषि कार्यों से जुड़े और भक्ति मार्ग पर चलने वालों के लिए पाक पवित्र दिन है। गुरु महाराज जी ने कहा कि कलिकाल में हालात बड़े विकट हैं। नशे की भरमार है। इंसान इंसान को धोखा दे रहा है। चरित्र का ह्रास होता जा रहा है। रिश्ते नातों की कद्र घटती जा रही है। ऐसे में सन्तों का सत्संग ही एकमात्र सहारा है।

त्योहारों में छिपी भावना को अंतर्मन में उतारें

उन्होंने कहा कि पहले त्योहार हमारी परम्पराओं से जुड़े होते थे लेकिन अब तो जब देखो तभी त्योहार बनाने लग गए। जिस दिन पिता व मां का सम्मान होना चाहिए उन्हें भी फादर डे और मदर डे में बांध दिया गया। लेकिन अच्छी बात यह है की सभी त्योहार का मकसद एक ही है और वो है इंसानियत को जिंदा रखना, प्यार प्रेम को बढ़ावा देना। उन्होंने कहा कि यदि त्योहार की छिपी भावना को हम अंतर्मन में भी उतार लें तो सोने पर सुहागा हो जाए। धर्म को कभी मत छोड़ो क्यूंकि धर्म ही आपको इस भावागार से पार करेगा।

60 लाख खर्च कर डंकी रूट से गया था अमेरिका, गोली लगने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंद्री

अमेरिका के जॉर्जिया में 27 मार्च को गोली लगने से समौरा गांव के 22 वर्षीय युवक चेतक शर्मा उर्फ लाखा की मौत होने के करीब 16 दिन बाद रविवार को उसका शव गांव में पहुंचा। शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

गौरतलब है कि चेतक सात महीने के जोखिम भरे डंकी रूट के बाद 2024 में अमेरिका पहुंचा था। मृतक के पिता सुनील ने बताया कि करीब 60 लाख रुपये खर्च कर उसे विदेश भेजा था। अमेरिका पहुंचने के बाद भी उसे तुरंत काम नहीं मिला। काफी प्रयास के बाद अमेरिका के जॉर्जिया में वह गुजरात के एक स्टोर मालिक के पास स्टोर कीपर की नौकरी पर लग गया। पिता ने बताया कि 27 मार्च की रात करीब 3 बजे चेतक के रूममेट व समौरा गांव निवासी का फोन आया कि चेतक की गोली लगने से मौत हो गई है। चेतक के ताऊ सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना से महज तीन घंटे पहले परिवार द्वारा आयोजित धार्मिक पाठ में चेतक ने वीडियो कॉल पर माथा टेककर आशीर्वाद लिया था। इसके कुछ देर बाद ही जॉर्जिया के उनके कमरे में अचानक गोली लगने से उसकी मौत हो गई। सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि चेतक का शव गांव में लाने के लिए समौरा गांव के आसपास के गांवों के युवा जो अमेरिका मे रह रहे हैं, उन्होंने सहयोग किया है।

धनपत सिंह के पिता की याद में शोक सभा

चंडीगढ़। पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त और वरिष्ठ आईएएस धनपत सिंह के पिता मक्खन लाल के निधन पर एक शोक सभा गुरुग्राम में की गई। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ-साथ सुबह हवन भी किया गया। इस दौरान प्रार्थना सभा में प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक क्षेत्र की हस्तियों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। उनके पिता का 5 अप्रैल 2026 को निधन हो गया था। लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया मार्ग, गुरुग्राम में आयोजित प्रार्थना सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सभा का आयोजन किया गया। आईएएस धनपत सिंह और उनके परिजनों ने इस दौरान पूज्य पिता को याद करते हुए पहुंचने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

वृंदावन नाव हादसे में यमुनानगर की बेटी लापता, सास बची

यमुनानगर। वृंदावन में 10 अप्रैल को हुए नाव हादसे में यमुनानगर के गांव असगरपुर निवासी 23 वर्षीय मोनिका भी शिकार हुई है। मोनिका की शादी तीन महीने पहले लुधियाना निवासी रजत के साथ हुई थी। मोनिका अपनी सास सविता के साथ वृंदावन घूमने के लिए गई थी। जहां पर नाव हादसे में मोनिका व उसकी सास पानी में डूब गई। सास सविता को बचा लिया गया, लेकिन हादसे के तीन दिन बाद भी मोनिका का कुछ भी पता नहीं चला। परिजन गांव वासियों के साथ वृंदावन में जाकर उसकी तलाश में जुटे हैं।

बड़ौली ने भाजपा कार्यालय के बाहर सफाई अभियान चलाया

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने रविवार को पंचकूला में भाजपा कार्यालय के बाहर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. आंबेडकर जयंती सप्ताह के अवसर पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। भाजपा डॉ. आंबेडकर जयंती पूरे प्रदेश में मनाएगी। उन्होंने कहा कि 14 अप्रैल को पंचकूला में प्रदेशस्तरीय कार्यक्रम होगा जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। वहीं, उन्होंने स्वर कोकिला आशा भोंसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

मासूम शर्मा को महिला आयोग और देहरादून पुलिस ने भेजा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक/टोहाना

देहरादून में हरियाणवी गायक मासूम शर्मा के छात्रों व विधायक के सामने किसी को गाली देने का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। थाना डोईवाला पुलिस ने मासूम शर्मा को नोटिस भेजकर 15 दिन में जवाब मांगा है। मासूम शर्मा के खिलाफ पौड़ी के श्रीनगर थाने में शिकायत दी गई है। डीएवी कॉलेज में आयोजित छात्र संघ समारोह में मासूम शर्मा ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। अगर मासूम शर्मा जवाब नहीं देते हैं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, हरियाणा महिला आयोग ने भी इस पर संज्ञात लेते हुए मासूम शर्मा को आयोग के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया है। मासूम को 18 अप्रैल को महिला आयोग के सामने प्रस्तुत होकर सफाई देनी होगी। वहीं, टोहाना में पत्रकारवार्ता में मासूम शर्मा ने स्वीकार किया कि वे थोड़े गुस्सैल स्वभाव के हैं। मुझे जल्दी गुस्सा आ जाता है। अक्सर कार्यक्रमों के दौरान कुछ लोग इस तरह से उकसा देते हैं कि जवाब देना जरूरी हो जाता है।

मशहूर मेवाती सिंगर असलम पर केस दर्ज

कासिम खान/नूंह। जिले में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के मामले में नूंह साइबर थाना पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मशहूर मेवाती सिंगर असलम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यूट्यूब चैनल असलम सिंगर के एक गाने में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली सामग्री पाई गई है। संबंधित गाने में अवैध हथियार रखने का महिमामंडन किया गया है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव को लेकर पीएम और ममता सियासी तीर चले

टीएमसी ने 6,000 करोड़ मदरसों के लिए दिए:पीएम

दार्जिलिंग की 5 और जलपाईगुड़ी की 7 सीटों पर पीएम ने वोट मांगे

एजेंसी ⏭ कोलकाता/चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ रुपये दिए, लेकिन विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने टीएमसी के शासन काल में बंगाल की बर्बादी देखी है। अब उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल से टीएमसी का जाना तय है।

कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा टीएमसी की नींद उड़ा देगी। पीएम का रविवार को पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने सिलीगुड़ी में जनसभा की। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे। मोदी ने सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का भी जिक्र किया।

असम की तरह बंगाल में श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे

मोदी ने रविवार को कहा कि असम आपके पड़ोस में है। वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम किया गया है। श्रमिकों को भूमि पट्टे दिए जा रहे हैं। बंगाल में भी श्रमिक परिवारों को भूमि पट्टे दिए जाएंगे। नॉर्थ बंगाल में टीएमसी की राजनीति हमेशा डर पैदा करने की रही है। लोगों को भयभीत रखना और उनकी उपेक्षा करना यहां आम बात है।

भाजपा अध्यक्ष ने किया रोड शो

विरुधुनगर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को दो दिनी दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे। सत्तूर विधानसभा क्षेतभाजपा उम्मीदवार नैनार नागेंद्रन के समर्थन में रोड शो किया।

तृणमूल को हटाने के लिए 1,000 करोड़ का सौदा

बंगाल को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन चाहती भाजपा

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार राज्य को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन करना चाहती है। बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों का विलय बिहार या ओडिशा में किया जा सकता है। बांकुडा जिले के छटना और ओंडा तथा पूर्वी बर्धमान के खंडघोष में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, भाजपा पश्चिम बंगाल को तीन भागों में बांटने के लिए परिसीमन विधेयक लाने की योजना बना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को पश्चिम बंगाल की सत्ता से हटाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है। बनर्जी का परोक्ष रूप से यह इशारा, सोशल मीडिया पर सामने आए आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख हुमांयू कबीर के उस वीडियो की ओर था।

एसआईआर हाल के समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला है

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हाल के दिनों में देश का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। बनर्जी ने पूर्वी बर्धमान जिले के खंडघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आई तो वह वहां की जनता से "सब कुछ छीन लेगी।"

नेताजी के प्रपौत्र टीएमसी में गए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले बड़ा उलटफेर हुआ है। रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रपौत्र चंद्र कुमार बोस तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने 3 पहले भाजपा छोड़ दी थी। उन्होंने कहा कि भाजपा विभाजनकारी राजनीति कर रही है।

आदित्यनाथ ने बंगाल में चुनावी रैली में मांगे वोट

सही मायने में समावेशी शासन लाने के लिए भाजपा को वोट दें: योगी

सोनामुखी (प. बंगाल) (भाषा)। पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की नीति अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोगों से राज्य में "डबल इंजन" की सरकार के लिए मतदान करने की अपील की, ताकि वास्तव में एक समावेशी शासन व्यवस्था स्थापित हो सके। बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल को स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की भूमि के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने देश की आध्यात्मिकता को समृद्ध किया। उन्होंने आरोप लगाया, "लेकिन तृणमूल कांग्रेस सरकार विश्व स्तर पर पूजनीय आध्यात्मिक प्रतीकों का अनादर करती है, जिससे राज्य की हिंदू पहचान को खतरा पैदा होता है।" "बंगाल अब 'गुंडागर्दी' का अड्डा बन गया है, जो उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने से पहले आम बात थी।

कांग्रेस ने टाइमलाइन शेयर की

जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है मोदी सरकार: जयराम

- बोले-महिला आरक्षण में बदलाव से देश को गुमराह किया जा रहा

नई दिल्ली(ब्यूरो)। जातिगत जनगणना को लेकर राज्यसभा सांसद व कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है और हमेशा की तरह देश को गुमराह कर रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट जातीय जनगणना को लेकर पिछले एक साल में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा दिए गए बयानों की टाइमलाइन शेयर की। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार जाति जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। उन्होंने कहा, 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में सरकार ने कहा था कि भारत सरकार ने नीति के रूप में यह निर्णय लिया है कि जनगणना में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी।

महिला आरक्षण को विशेष सत्र

16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा

भाजपा सांसदों के लिए व्हिप जारी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी कर उनसे बृहस्पतिवार से शुरू होने वाले संसद के विस्तारित बजट सत्र के दौरान अपने-अपने सदन में उपस्थित रहने को कहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। इस दौरान महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार करने एवं इन्हें पारित करने के लिए पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत बुधवार (आठ अप्रैल) को उन प्रारूप विधेयकों को मंजूरी दे दी जिनका उद्देश्य 2029 के संसदीय चुनाव से पहले महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करना और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करना है। इनमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। भाजपा ने अपने सभी सांसदों को भेजे संदेश में कहा, "16 से 18 अप्रैल 2026 तक यानी आगामी बृहस्पतिवार से शनिवार तक लोकसभा और राज्यसभा में भाजपा के सभी सदस्यों को तीन-लाइन का व्हिप जारी किया जा रहा है।

बंगाल में एसआईआर पर सुको में आज सुनवाई

- न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करने वाला है। इन याचिकाओं पर सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ द्वारा की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने 10 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में आ गा मी वि धा न स भा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को 'फ्रीज' करने को चुनौती देने वाली लंबित याचिकाओं के साथ-साथ एक नयी याचिका पर 13 को सुनवाई करने पर सहमति जताई थी। पीठ बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर कवायद में लगे सात न्यायिक अधिकारियों के 'घेराव' से संबंधित स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई भी सोमवार को करेगी।

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बंकर नष्ट किए

इंफाल (भाषा)। मणिपुर के उखरुल जिले में सुरक्षा बलों ने 21 अवैध बंकर नष्ट कर दिए है। उखरुल जिले में हाल में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान की गोली लगने से मौत हो गई थी। सुरक्षा बलों ने अलग अभियान में तेंगनौपाल जिले से 13 आईईडी भी बरामद किए। सुरक्षा बलों ने शनिवार को लिटान थाना क्षेत्र के सिकिबंग गांव में 14 और मोंगकोट चेपु गांव में सात बंकर को नष्ट किया।

भारतीय नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 14-16 अप्रैल को

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के टॉप कमांडर की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। यहां नौसेना के कमांडर्स समुद्री सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए रणनीतिक दिशा तय करेंगे। इसमें नौसेना का शीर्ष नेतृत्व, ऑपरेशनल कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। दरअसल, भारतीय नौसेना 'कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2026' का पहला संस्करण आयोजित करने जा रही है।

सिद्धारमैया सरकार में मंत्री पद पाने की होड़

कर्नाटक से कांग्रेस के 20 विधायक दिल्ली गए, हाईकमान से करेंगे मुलाकात

बेंगलुरु। कर्नाटक के कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का एक ग्रुप सिद्धारमैया कैबिनेट में पद पाने की इच्छा से नई दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। इन विधायकों ने विस सीटों पर दो से अधिक बार चुनाव जीता है। उनकी योजना एआईसीसी अध्यक्ष खरगे सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने की है। इस ग्रुप में नई दिल्ली में कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि एमटीबी जयचंद्र, अशोक पट्टन, विधायक पुट्टा रंगा शेट्टी, शांताना गौदार व बेलुरु गोपालकृष्णन भी शामिल हैं। कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के 20 से अधिक वरिष्ठ विधायक दिल्ली में पार्टी के हाईकमान से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

बिहार को जल्द मिलेगा नया सीएम, भाजपा ने शिवराज को बनाया केंद्रीय पर्यवेक्षक

भाजपा की सिफारिश पर राजग के विधायक नए सीएम का चुनाव करेंगे

नई दिल्ली (ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पार्टी ने बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक अधिसूचना में कहा कि भाजपा के संसदीय बोर्ड ने कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बिहार में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

नई सरकार के गठन की प्रक्रिया 13 के बाद शुरू होगी: जदयू

पटना(भाषा)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने रविवार को कहा कि बिहार में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया 13 अप्रैल के बाद शुरू होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्य में नई सरकार का गठन आवश्यक हो गया है। झा ने जदयू प्रमुख कुमार से मुलाकात के तुरंत बाद यहां पत्रकारों से बात की। कुमार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की उम्मीद है ताकि भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार के लिए रास्ता साफ हो सके। पूर्व मंत्री और वर्तमान में राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह प्रक्रिया 13 अप्रैल के बाद शुरू होगी।

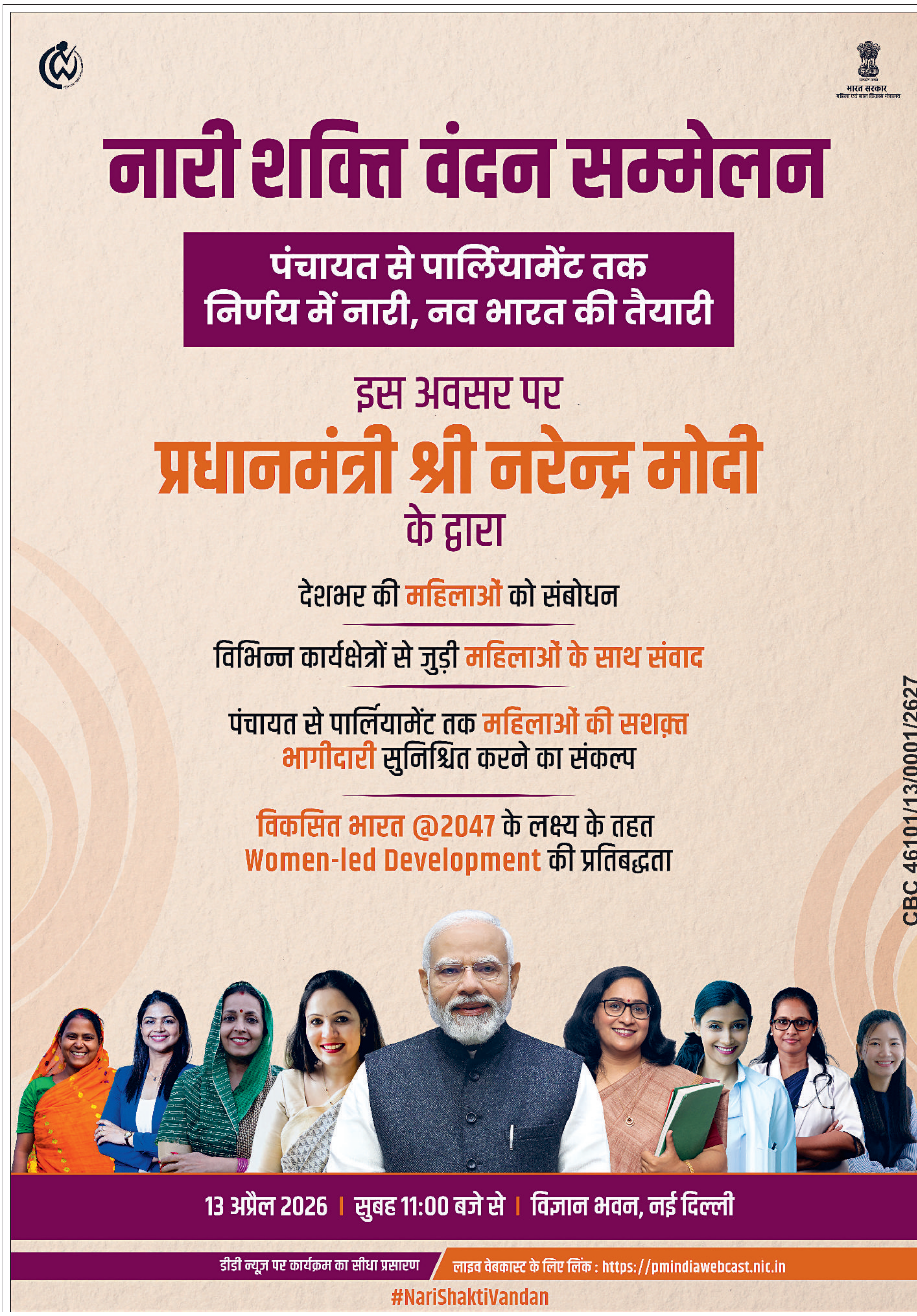

खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक ट्रक की आपूर्ति शुरू की

मुंबई। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स ने कहा कि उसने अपने मालवाहक इलेक्ट्रिक ट्रक प्राइमा ई.55एस की आपूर्ति बिलियन-ई मोबिलिटी को शुरू कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे 250 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक ट्रकों की आपूर्ति का भी ऑर्डर मिला है, जिन्हें चरणबद्ध ढंग से गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा के प्रमुख मालढुलाई गलियारों में तैनात किया जाएगा। इन ट्रकों का इस्तेमाल इस्पात, सीमेंट और अन्य औद्योगिक उत्पादों को लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए किया जाएगा।

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध कर्ज 77% घटा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड का बेहतर नकदी प्रवाह के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध कर्ज 77 प्रतिशत घटकर 200 करोड़ रुपये रह गया। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 31 मार्च, 2026 तक कंपनी का शुद्ध कर्ज 200 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 31 मार्च, 2025 को 880 करोड़ रुपये था।

बाजार में उथल-पुथल के बीच तेल के दाम गिरे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में टकराव के कारण बाजार में उथल-पुथल की स्थिति के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के भाव गिरावट दर्शाते बंद हुए। सप्ताह के दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों में गिरावट रही। केवल सोयाबीन दाना (तिलहन) के दाम स्थिर दिखे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में भी गिरावट रही।

12 हजार करोड़ की कंपनी 74 रुपये में बेचनी पड़ी, कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शेट्टी ने एक समय हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए का अम्पायर खड़ा किया था। लेकिन, कुछ गलतियों की वजह से उनके इस अम्पायर का एक हिस्सा पूरी तरह ढह गया और महज 74 रुपए में बेचना पड़ा। यह कोई अचानक आया तूफान नहीं था, बल्कि कंपनी के डॉक्यूमेंट की बड़ी खामी की वजह से हुआ नुकसान था।

बीआर शेट्टी का जन्म 1 अगस्त, 1942 को उडुपी में हुआ था। उन्होंने मनिपाल से फार्मा की पढ़ाई पूरी की और परिवार में आर्थिक दिक्कत होने की वजह से साल 1973 में यूएई चले गए। वहां सबसे पहले उन्होंने मेडिकल रीप्रेजेंटेटिव यानी एमआर की नौकरी की और साल 1975 में न्यू मेडिकल सेंटर में छोटी सी क्लीनिक शुरू कर दी, जहां उनकी डॉक्टर पत्नी चंद्रकुमारी शेट्टी प्रैक्टिस करती थीं। उन्होंने इलाके के लोगों को सस्ती मेडिकल सर्विस देनी शुरू की जिससे जल्द ही उनकी क्लीनिक काफी पॉपुलर हो गया।

समय के साथ उनकी क्लीनिक की लोकप्रियता बढ़ती गई और सऊदी अरब, ओमान, यूरोप के साथ लैटिन अमेरिका में भी हेल्थकेयर कारोबार पहुंच गया। पैसा आने पर उन्होंने हेल्थकेयर के अलावा साल 1980 में यूएई में मनी ट्रांसफर सर्विस शुरू कर दी। यहां खाड़ी देशों में काम करने वालों को अपने घर पैसे भेजने में मदद की जाती थी। साल 2003 में शेट्टी ने नियोफार्मा नाम से अबु धाबी में फार्मा मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की।

हेल्थकेयर और फाइनेंस सेक्टर में अपना 10 अरब डॉलर का अम्पायर तैयार किया था

लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो गई कंपनी

साल 2012 में एनएमसी हेल्थ यूएई की पहली हेल्थकेयर कंपनी बनी जो लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुई। शुरुआत में इसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर था, जो बाद में बढ़कर 10 अरब डॉलर यानी करीब 93 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया। तब शेट्टी की व्यक्तिगत नेट वर्थ बढ़कर करीब 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए पहुंच गया था। तब उन्हें भारत सरकार ने पद्म श्री पुरस्कार से भी नवाजा था। शेट्टी के बाद बुर्ज खलीफा में भी लग्जरी प्रॉपर्टी थी।

टूटा भरोसा और ढहने लगा कारोबार

शेट्टी की कंपनी में शुरू हुए फर्जीवाड़े का असर जल्द ही व्यापक रूप से फैलने लगा और यूएई एक्सचेंज के साथ होल्डिंग कंपनी फिनाब्लर पर भी इसका असर पड़ा। 8 अप्रैल, 2020 को यूके हाईकोर्ट ने एनएमसी हैल्थ के खिलाफ प्रशासन पर जांच बैठा दी। 80 से ज्यादा बैंकों ओर कर्जदाताओं को इससे बड़ा नुकसान हुआ।

2019 से शुरू हुआ पतन

शेट्टी के पतन की कहानी साल 2019 से शुरू हुई, जब अमेरिका स्थिति एक शॉर्ट सेलिंग फर्म मडी वॉटर रिसर्च ने एनएमसी हेल्थ के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि कंपनी ने अपने कैश बैलेंस और कर्ज के बारे में निवेशकों से जानकारी छुपाई है। साल 2020 की शुरुआत में एनएमसी हेल्थ ने स्वीकार किया की उस पर 4 अरब डॉलर यानी करीब 38 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। जांच में फर्जी दस्तावेज, अनाधिकृत लोन और कमजोर कॉरपोरेट प्रबंधन का भी पता चला। फरवरी 2020 में उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

टीसीएस के मुख्य कार्यकारी व एमडी कृतिवासन ने कहा

टीसीएस ने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी की पेशकश की, और भर्तियां मांग पर निर्भर

एजेंसी ⏭ मुंबई

देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों (फ्रेशर) को नौकरी देने की पेशकश की है। कंपनी ने संकेत दिया है कि आगे कॉलेज स्नातकों की नियुक्तियां बाजार में मांग की स्थिति पर निर्भर करेंगी। टीसीएस के मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक के कृतिवासन ने साक्षात्कार में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी, जो देश में निजी क्षेत्र में किसी कंपनी द्वारा की गई भर्तियों का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

एमडी ने कहा कि 2026-27 के दौरान हमने 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की पेशकश की है। मांग पर स्थिति स्पष्ट होने के बाद हम और नियुक्तियां करेंगे। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक 'फ्रेशर्स' को नौकरी दे रही है।

वित्त वर्ष 2025-26 में 44,000 नए स्नातकों की नियुक्ति की थी

अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं

कृतिवासन ने कहा कि अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए स्नातकों को किसी परियोजना में जोड़ने से पहले करीब नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत काम शुरू कर सकते हैं। ऐसे में भर्ती रणनीति पूरी तरह व्यावसायिक जरूरतों पर निर्भर करती है।

कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन स्थिर

कारोबारी माहौल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी के पास परियोजनाओं की पाइपलाइन 'स्थिर' है, जो वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि नई मांग विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक बाजारों से आ रही है, जिसमें लागत अनुकूलन और डिजिटल बदलाव से जुड़े सौदे शामिल हैं।

वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों की आवश्यकता कम हुई

वित्त वर्ष 2025-26 में हुई लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के लिए लंबे समय तक करियर के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस छंटनी से कोई सीधा संबंध नहीं था, बल्कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के तरीके में बदलाव के कारण वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों की आवश्यकता कम हुई है।

40 अरब डॉलर के अनुबंध हासिल किए

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 40 अरब डॉलर के नए अनुबंध हासिल किए हैं। उन्होंने कोई आंकड़ा दिए बिना कहा कि नए अनुबंधों को राजस्व में बदलने की दर भी बढ़ी है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी समीर सेकसरिया ने कहा कि टीसीएस विभिन्न उपायों से मुनाफा मार्जिन में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करेगी।

अप्रैल के पहले 10 दिन में यह राशि निकाली गई

एफपीआई ने शेयर बाजार से निकाले 48,213 करोड़

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अप्रैल महीने में भी अपनी बिकवाली जारी रखी है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक

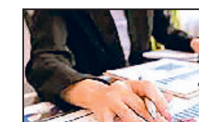

वृहद आर्थिक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने अप्रैल के पहले 10 दिन में ही 48,213 करोड़ के शेयर बेचे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ की निकासी की थी, जो अब तक का निकासी का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, फरवरी में उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया था, जो पिछले 17 माह का उच्चस्तर है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों की कुल निकासी बढ़कर 1.8 लाख करोड़ से अधिक हो चुकी है। केवल अप्रैल में ही 10 तारीख तक उन्होंने 48,213 करोड़ निकाले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह लगातार बिकवाली वैश्विक आर्थिक दबाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों का परिणाम है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं।

विदेशी निवेश में सुधार की उम्मीद

हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बावजूद बिकवाली पर कोई खास असर नहीं पड़ा। एंजल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, निवेशकों ने शेयर बाजार में तेजी का इस्तेमाल अपनी हिस्सेदारी घटाने के अवसर के रूप में किया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

तेल की कीमतें व महंगाई के आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता बेनतीजा समाप्त होने से सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर निवेशकों की धारणा पर असर पड़ सकता है। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े घटनाक्रमों के अलावा कच्चे तेल की कीमतें भी इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगी। यह सप्ताह अवकाश के कारण छोटा रहेगा, क्योंकि मंगलवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहेंगे। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि अमेरिकी पक्ष की अत्यधिक मांगों के कारण वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि कूटनीति कभी समाप्त नहीं होती। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे न हटने के कारण शांति समझौता नहीं हो सका। उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। बकाई ने कहा कि अमेरिकी पक्ष ने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव रखा था, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया। वहीं, ईरानी पक्ष ने कहा कि कुछ मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन दो से तीन महत्वपूर्ण विषयों पर मतभेद बने रहे।

भारत के फाउंड्री उद्योग पर लागत और लॉजिस्टिक का दबाव बढ़ा

ईरान-अमेरिका संघर्ष से कच्चे लोहे के दाम 13 फीसदी बढ़े

एजेंसी ⏭ कोलकाता

ईरान-अमेरिका संघर्ष के कारण धातुओं की ढलाई के उद्योग (फाउंड्री) पर लागत का भारी दबाव और लॉजिस्टिक संबंधी बाधाएं उत्पन्न हो गई हैं। पिछले तीन महीनों में कच्चे लोहे के दाम 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ गए हैं जबकि माल ढुलाई की दरें 60 प्रतिशत तक उछल गई हैं।

फाउंड्री एंड कास्टिंग्स डेवलपमेंट एसोसिएशन (एफसीडीए), इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमेन (आईआईएफ) और इंडियन फाउंड्री एसोसिएशन (आईएफए) जैसे हितधारकों ने एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इस्पात श्रेणी के कच्चे लोहे की कीमतें जनवरी 2026 के 36,500 रुपये प्रति टन से बढ़कर 10 अप्रैल तक 41,500 रुपये प्रति टन हो गई हैं।

इस दौरान ढलाई श्रेणी का कच्चा लोहा 40,000 रुपये से बढ़कर 45,000 रुपये प्रति टन हो चुका है। बयान के मुताबिक, पश्चिम एशिया संघर्ष की वजह से माल ढुलाई लागत में वृद्धि और युद्ध से जुड़े अधिभार के कारण घरेलू ''हार्ड कोक'' की कीमतों में भी 2,000-3,000 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी हुई है।

रेजिन की कीमतें जनवरी के 100 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 160 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं, जबकि कैटलिस्ट की कीमतें 50 रुपये से बढ़कर 75 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। रेजिन का इस्तेमाल फाउंड्री उद्योग में ढलाई के सांचों को मजबूती देने के लिए किया जाता है। वहीं ''कैटलिस्ट'' सांचे को सुखाने या सख्त करने की प्रक्रिया की गति को बढ़ा देता है।

विदेशी खरीदारों की और से नए ऑर्डर की गति धीमी

विदेशी खरीदारों की ओर से परिस्थितियों के आकलन की नीति अपनाने के कारण नए ऑर्डर की गति भी धीमी हो गई है। वाहन और निर्माण क्षेत्र से जुड़ी ढलाई की मांग में मामूली गिरावट देखी जा रही है जबकि तेल एवं गैस, पंप और वाल्व कलपुर्जों की मांग स्थिर बनी हुई है। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की ढलाई इकाइयों ने अपने मार्जिन में गिरावट, कार्यशील पूंजी के दबाव और भुगतान चक्र लंबा होने की जानकारी दी है।

लॉजिस्टिक लागत में भी बढ़ोतरी

अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के लिए माल ढुलाई की दरें 50-60 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कुल लॉजिस्टिक लागत में 40-100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि युद्ध जोखिम अधिभार, आपातकालीन संघर्ष अधिभार, मालवाहक जहाज के बीमा प्रीमियम में 5-10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी और लाल सागर गलियारे में बढ़ते जोखिम के कारण जहाजों के मार्ग परिवर्तन की वजह से और अधिक बढ़ गई है।

राशिफल

मेष – रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह – कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या – परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु – कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ – तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

फरवरी में उच्च भंडार के कारण कोयला आयात 8.5 फीसदी घटा

कोयला आयात घटकर 1.65 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली। देश में घरेलू कोयले के रिकॉर्ड भंडार और समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में मजबूती के कारण फरवरी में भारत का कोयला आयात 8.5 प्रतिशत घटकर 1.65 करोड़ टन रह गया। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार, फरवरी 2024-25 में यह आयात 1.81 करोड़ टन था। वहीं, जनवरी 2026 के 1.66 करोड़ टन के मुकाबले फरवरी में आयात लगभग स्थिर रहा। एमजंक्शन सर्विसेज एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है। यह टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा

ने कहा कि घरेलू कोयले का भंडार अधिक होने और समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों के ऊंचे बने रहने से तापीय कोयले के आयात में कमी आई है। उन्होंने कहा कि घरेलू खनन कंपनियां अपने भंडार को कम करने की कोशिश कर रही हैं, इसलिए इस महीने भी आयात कमजोर रह सकता है।

शब्द पहेली - 6194

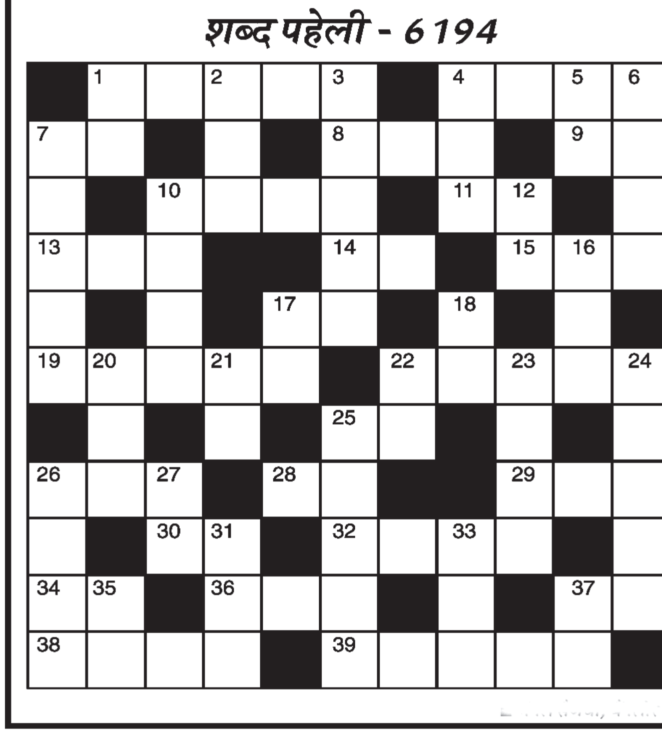

बाएँ से दाए
1. असहकार-5
4. शत्रुता, दुश्मनी-4
7. नाच, नृत्य (उर्दू-2)
8. विष्णु का वाहन-3
9. मादा का विलोम-2
10. ईश्वर, शिव-4
11. संज्ञा, संबोधन-2
13. वेग, गति-3
14. महसूल, राहदरी-2
15. अंधकार, अंधेरा-3
17. कुंजी, ताली-2
19. गोलाकार-5
22. इतरता, बेगानापन-5
25. समय, वक्त-2
26. स्याही का पात्र-3
28. अच्छा, सद् पुरुष-2
29. अदृश्य-3
30. मिट्टी, धूल-2
32. नट, बाजीगरी करने वाला-4
34. टैक्स, हाथ-2
36. बोलने का तरीका-3
37. खदान-2
38. जो जायज न हो-4
39. श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे
1. तराजू डंडा, पासा-2
2. पराजित करना-3
3. बहुत लंबा -5
4. रुकना, अड़ जाना-3
5. जंगल, कानन-2
6. तीर रखने का पात्र-4
7. सार-संभाल-2,3
10. पूंजी, धन-4
12. वोट, राय-2
16. राजा, महाराजा-3
17. चतुर्थ, चौथा-2
18. हलवा-2
20. पक्षाघात-3
21. तन, देह-2
22. क्षण-2
23. स्मारक-4
24. चोर, लुटेरा-5
25. जैकी श्राफ, अनिल कपूर, किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26. टूटना, बिखरना-4
27. पानी से सराबोर-2
31. कमल, नीरज-3
33. बादलों की गड़गड़ाहट-3
35. छुट्टी, अवकाश-2
37. राख, मिट्टी-2

शब्द पहेली - 6193 का हल

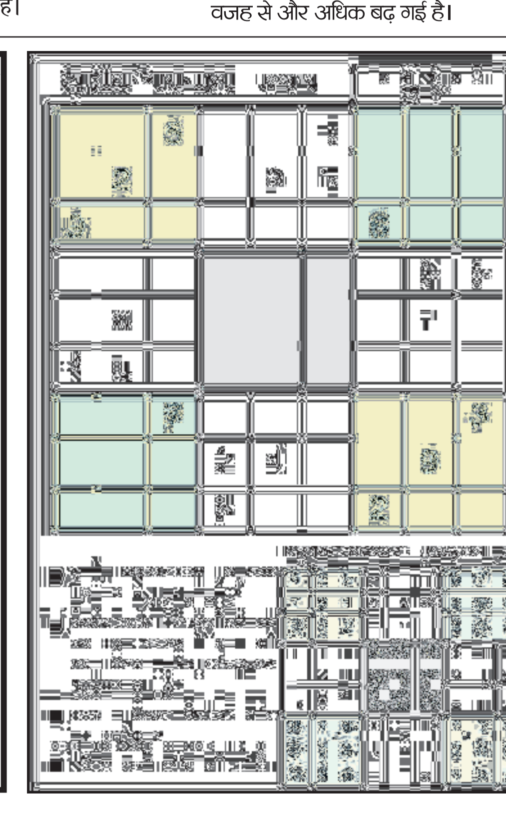

अब यादों में आशा

संगीत के एक युग का अंत, दिग्गज गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन, सोमवार सुबह 11 बजे घर पर अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे

सुरों की मल्लिका आशा भोसले का रविवार को 92 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें शनिवार रात चेस्ट इन्फेक्शन के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में एडमिट करवाया गया था। आशा भोसले बीते 70 सालों से हिंदी सिनेमा का हिस्सा थीं। उन्होंने कई भाषाओं में रिकॉर्ड 12 हजार गाने गाए। हालांकि एक समय ऐसा भी था जब आशा को यह कहकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो से निकाल दिया गया कि उनकी आवाज खराब है। लेकिन बाद में वे भारतीय संगीत की एक ऐसी जादुई आवाज बनीं जिन्होंने 8 दशकों से अधिक समय तक करोड़ों दिलों पर राज किया है। आज दुनियाभर के कई होटलों की मालकिन आशा का बचपन गरीबी में बीता। तंगहाली का आलम यह था कि फीस नहीं होने के चलते उन्हें स्कूल से बाहर निकाल दिया गया था।

आइडियल थीं लता दीदी

आशा की गायकी का फलक अत्यंत विस्तृत है। चाहे वह चुलबुले और नटखटी गीत हों, रूमानी नगमे हों या फिर थिरकने पर मजबूर कर देने वाले कैबरे। हर विधा में उन्हें महारथ हासिल थी। जहां उन्होंने 'इन आंखों की मस्ती के' जैसी गजलों में रूहानियत और गहराई भरी, वहीं 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गीतों के ज़रिए भारतीय संगीत में आधुनिकता, साहस और नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने 20 से अधिक भाषाओं में हजारों गाने गाकर संगीत की दुनिया में एक कीर्तिमान स्थापित किया। उन्हे दादा साहब फाल्के, पद्म विभूषण और फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड सहित अनगिनत सम्मानों से नवाजा गया। अब वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें अमिट हैं.....

आशा भोसले तो लता दीदी को अपना आदर्श मानती थीं। लेकिन कम उम्र में ही आशा भोसले के कारण लता मंगेशकर का दिल दुखा था। दरअसल, आशा भोसले ने 16 साल की उम्र में लता मंगेशकर के सचिव गणपत राव भोसले से प्रेम विवाह कर लिया। गणपत राव आशा से 20 साल बड़े थे। इस रिश्ते को लता मंगेशकर और उनके परिवार ने स्वीकार नहीं किया। बॉलीवुड में एक फिल्म साज भी बनी थी, इसे साई परांजपे ने बनाई थी। कहा जाता है कि यह फिल्म लता मंगेशकर और आशा भोसले के रिश्तों पर थी। फिल्म में लीड रोल में शबाना आजमी और अरुणा ईरानी थीं, इन्होंने फिल्म में दो बहनों का रोल किया था। एक इंटरव्यू में इस फिल्म के बारे में आशा भोसले ने कहा था, यह बिल्कुल भी सच नहीं है। दो महिलाओं को फिल्म में लेना, कुछ घटनाओं को चुनना और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर 3 घंटे की फिल्म बना देना, यह तो समय की पूरी बर्बादी है। जबकि डायरेक्टर ने कहा था कि इसका आइडिया उन्हें एक्ट्रेस शबाना आजमी से मिला था। एक्ट्रेस ने उनसे एक प्लेबैक सिंगर पर फिल्म बनाने को कहा था। डायरेक्टर ने यह भी कहा कि फिल्म में दो बहनों की जो कहानी दिखाई गई है, वह एक राइटर के तौर पर उनके खुद के अनुभवों और भावनाओं पर आधारित है। आशा भोसले और गणपत राव की शादी ज्यादा नहीं चली। 11 साल बाद आशा भोसले पति से अलग हो गईं। गणपत राव से आशा भोसले को तीन बच्चे हुए। गणपत राव ने आशा भोसले को 2 बच्चों और प्रेग्नेंसी के हालत में घर से निकाल दिया था। गणपत का परिवार रूढ़िवादी था, वह एक सिंगिंग स्टार को स्वीकार नहीं कर सका। जब मैं अपने छोटे बेटे आनंद को जन्म देने वाली थी तो परिवार ने मायके वापस लौट जाने को कहा।

बेटी व बेटे के गुजरने से टूटा दुखों का पहाड़

पति आरडी बर्मन को आशा भोसले पहले ही खो चुकी थीं। फिर उनकी जिंदगी से जुड़े दो खास लोग भी दुनिया को अलविदा कह गए। आशा भोसले की बेटी वर्षा ने साल 2012 में आत्महत्या कर ली। वहीं चार साल बाद यानी 2015 में बेटे हेमंत का कैंसर के कारण निधन हो गया। दो बच्चों की मौत ने आशा भोसले को भीतर से तोड़ दिया।

बड़े पर्दे पर दिखाया एक्टिंग का हुनर

आशा भोसले ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक बेहतरीन गीत गाए। हिंदी के अलावा वह कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गा चुकी हैं। सिंगिंग के अलावा आशा भोसले ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया था। साल 2013 में आशा भोसले ने एक मराठी फिल्म 'माई' में अभिनय किया। इसमें उनके अभिनय को खूब सराह गया था।

जन्म : 08 सितंबर 1933 अवसान : 12 अप्रैल 2026

मिले ये अवॉर्ड

- पद्म विभूषण – 2008
- दादासाहेब फाल्के – 2000
- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1981 और 1986
- फिल्मफेयर पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 1968, 1969, 1972, 1973, 1974, 1975 और 1979
- फिल्मफेयर स्पेशल अवॉर्ड (फिल्म रंगीला) – 1996
- फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2001
- आइफा अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ महिला प्लेबैक गायिका) – 2002, फिल्म लगान के गीत राधा कैसे न जले के लिए
- नाइटिंगेल ऑफ एशिया अवॉर्ड – 1987
- सिंगर ऑफ द मिलेनियम – 2000 (दुबई)
- बीबीसी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड – 2002
- पद्म विभूषण से सम्मानित, दादासाहेब फाल्के और नेशनल अवॉर्ड तक
- गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम है दर्ज
- साल 2011 में उन्हें गिनीज ने 20 अलग-अलग भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाना रिकॉर्ड करने के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया था।

कई शैलियों में गातीं थीं आशा

चुलबुले और रूमानी गीत

आशा जी को कैबरे और पश्चिमी धुन वाले गानों की रानी माना जाता है। उन्होंने आरडी बर्मन के साथ मिलकर संगीत में एक नई जान फूंकी थी।
उदाहरण : दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा, ओ हसीना जुल्फों वाली

ठुमरी और शास्त्रीय संगीत

हालांकि, उनकी छवि एक मॉडर्न गायिका की थी, लेकिन कठिन शास्त्रीय बंदिशों और ठुमरी में उनका कोई सानी नहीं है। फिल्म उत्सव और उमराव जान के गानों में इसकी झलक मिलती है।
उदाहरण: मन क्यों बहका रे बहका, दिल चीज़ क्या है

भावपूर्ण गज़लें

फिल्म उमराव जान के लिए उन्होंने अपनी गायकी का अंदाज़ पूरी तरह बदल लिया था। उनकी आवाज़ की गंभीरता और शब्दों के सही उच्चारण (तलफ़्फ़ुज़) ने गज़लों को अमर बना दिया।
उदाहरण: इन आंखों की मस्ती के, जुस्तजू जिसकी थी।

भजन और भक्ति गीत

उनकी आवाज़ में जहां एक तरफ मादकता थी, वहीं दूसरी तरफ भक्ति गीतों में उतनी ही पवित्रता और सादगी भी थी। भक्ति गीतों में भी उन्होंने उतनी संजीदगी दिखाई और पवित्रता बनाए रखी
उदाहरण : तोरा मन दर्पण कहलाए

पॉप और रिमिक्स

90 के दशक में जब पॉप संगीत का दौर आया, तब भी आशा जी ने जानम समझा करो और कही आग लगे जैसे गानों से युवा पीढ़ी के बीच अपनी धाक जमाए रखी और युवा दिलों पर राज किया।

लोक संगीत और लावणी

आशा भोसले ने मराठी पृष्ठभूमि के कारण लावणी में अद्भुत ऊर्जा और जीवंतता भरी। लावणी की तेज़ लय, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और नाटकीय अंदाज़ को उन्होंने अपनी आवाज़ से नई ऊंचाई दी। उनके गीतों में लोक संगीत की मिट्टी की खुशबू के साथ मंचीय जोश झलकता है, जिसने लावणी को जन-जन तक लोकप्रिय बनाया।

छह साल छोटे आरडी बर्मन से प्यार और फिर दूसरी शादी

पहली शादी टूटने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में फिर से प्यार की बहार आई। एक गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान संगीतकार आरडी बर्मन और आशा भोसले की मुलाकात हुई। आरडी बर्मन ने आशा भोसले के सामने अपने प्यार का इजहार किया था। वह आशा भोसले से 6 साल छोटे थे। आरडी बर्मन से आशा भोसले ने 1980 में शादी की। लेकिन इनकी शादी की राह आसान नहीं थी। आशा भोसले के तीन बच्चे पहली शादी से थे, ऐसे में आरडी बर्मन के परिवार वाले इस शादी के राजी नहीं थे। लेकिन आरडी बर्मन नहीं माने, उन्होंने आशा से शादी की। आगे चलकर दोनों ने बेहतरीन गीतों पर काम किया। साल 1994 में आरडी बर्मन का निधन हुआ, इसके बाद आशा अकेली पड़ गईं।

मराठी फिल्म से बॉलीवुड तक का सफर

आशा ने अपने करियर की शुरुआत 1943 में एक मराठी फिल्म 'माझा बल' के गाने 'चला चला नव बाड़ा' से की थी। हिंदी सिनेमा में उन्हें पहला मौका 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गाने 'सावन आया' से मिला। शुरुआती दौर में आशा को वे गाने मिलते थे जिन्हें प्रमुख गायिकाएं जैसे लता मंगेशकर, शमशाद बेगम या गीता दत्त छोड़ देती थीं।

सुर सम्राज्ञी ने दुनिया को कहा अलविदा...

झुमका गिरा रे... बरेली को दी पहचान

आशा भोसले का गाया गीत झुमका गिरा रे, बरेली के बाज़ार में, जिसे फिल्म मेरा साया में अभिनेत्री साधना पर फिल्माया गया था। यह गीत आशा भोसले की सुरीली आवाज, भावपूर्ण संगीत और जीवंत माहौल के कारण लोकप्रिय हुआ। भले ही यह गीत 54 साल पुराना है। करीब पांच दशक बाद बरेली ने आखिरकार इस प्रतिष्ठित गीत को अपनाते हुए 14 फीट ऊंचा झुमका स्थापित किया है। इस गीत ने बरेली को 'झुमका सिटी' के रूप में नई पहचान दी।

1948 में गाया पहला गाना

आशा के कॅरियर का पहला गीत साल 1948 में आई फिल्म चुनरिया का गीत सावन आया... है। साल 1957 में संगीतकार ओपी नैय्यर के संगीत निर्देशन में बनी निर्माता-निर्देशक बीआर चोपड़ा की फिल्म नया दौर आशा के कॅरियर का अहम पड़ाव साबित हुई। वहीं फिल्म तीसरी मंजिल में आशा भोंसले ने आरडी बर्मन के संगीत में आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा... गाने को अपनी आवाज दी। ये गाना सुपरहिट रहा।

सिंगर न होतीं तो कुक बनतीं आशा

आशा भोसले को आज दुनिया एक मशहूर गायिका के रूप में जानती है। अगर वह कभी सिंगर ना बन पातीं तो कुक के प्रोफेशन को चुनतीं। आशा भोंसले ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अगर वह सिंगर नहीं बनती तो वह एक कुक होतीं। बता दें कि दुबई, कुवैत में उनके नाम से रेस्टोरेंट भी है। यहां पर भारतीय खाना मिलता है। एक खबर के अनुसार इंटरनेशनल कुक रसेल स्कॉट ने आशा ब्रांड के राइट्स खरीदे थे। वह ब्रिटेन में लगभग 40 रेस्टोरेंट खोलने की योजना बना रहे थे।

सबने जताया दुःख

संगीत की दुनिया में खालीपन

आशा भोसले के निधन से संगीत की दुनिया में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है। एक महान गायिका के तौर पर उनके शानदार करियर ने भारत में संगीत के एक पूरे दौर को परिभाषित किया है। **-द्रोपदी मुर्मु**, राष्ट्रपति

निधन बेहद दुःखद

भारतीय संगीत जगत की एक प्रख्यात हस्ती 'मधुरता की कोकिला' और पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले जी का निधन बेहद दुःखद है। उनका जाना एक युग का अंत है।
-नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

सदियों तक गूंजती रहेगी आवाज

आशा ताई के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के स्तंभों में से एक थी और सदियों तक दुनिया भर में गूंजती रहेगी। एक ऐसा हुनर जो हमेशा अमर रहेगा। **-शाहरुख खान**

मेरे लिए भावुक पल

आशा ताई अब हमारे बीच नहीं रहीं, इस बात पर यकीन करना मुश्किल है। वह इतनी जीवंत थीं और अपने गीतों में जो ऊर्जा और भाव लाती थीं। यह मेरे लिए और भी भावुक पल है क्योंकि मेरा उनसे खास रिश्ता रहा है। **-हेमा मालिनी**

मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा

मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि हमारी प्यारी आशा ताई अब हमारे बीच नहीं हैं। उन्हें देवी सरस्वती के समान मानने वाले के रूप में, मैं अपने दुख और भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पा रहा हूं। **-शंकर महादेवन**

आशा के 'अमर' सुर...हमेशा जवां रहेगी 'आवाज'

आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। वह प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित दीनानाथ मंगेशकर की बेटी थीं। घर में संगीत का माहौल शुरू से ही था। उनके भाई-बहन लता मंगेशकर, मीना खड़ीकर, उषा मंगेशकर व हृदयनाथ मंगेशकर भी संगीत की दुनिया से ही जुड़े रहे। जब आशा सिर्फ 9 साल की थीं, तब 1942 में उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इससे परिवार पर आर्थिक संकट आ गया। परिवार को सहारा देने के लिए लता और आशा ने कम उम्र में गायन शुरू किया।

किशोर कुमार के साथ रिकॉर्डिंग करतीं और पंचम दा के साथ रिहर्सल करतीं आशा भोसले।

बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा के साथ आशा भोसले।

मंगेशकर परिवार

सेवंती मंगेशकर (मां), लता मंगेशकर, आशा भोसले, ऊषा मंगेशकर, मीना खाड़ीकर, हृदयनाथ मंगेशकर।

एक कार्यक्रम के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के साथ आशा भोसले।

एक कार्यक्रम के दौरान पंडित जसराज के साथ आशा भोसले

एक कार्यक्रम के दौरान बहन लता मंगेशकर के साथ आशा भोसले।

आशा का वो गाना, जो रेडियो पर बैन तो दूरदर्शन से हटाया गया

देव आनंद, जीनत अमान और मुमताज अभिनीत फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा में आशा भोसले की आवाज में दम मारो दम गाना रिलीज होते ही विवादों में घिर गया था। आरडी बर्मन का संगीत और आनंद बख्शी के बोल इस गाने में थे। गाने में जीनत अमान को हिप्पी स्टाइल में चिलम फूंकते हुए दिखाया गया था, जो नशे के कल्चर को एक तरह से ग्लैमराइज करने का तरीका था और इस पर गंभीर आरोप भी लगा। कई लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति के खिलाफ और युवाओं में नशे को बढ़ावा देने वाला बताया। इस गाने को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि ऑल इंडिया रेडियो ने गाने पर प्रतिबंध तक लगा दिया। यही नहीं दूरदर्शन ने फिल्म के टीवी प्रसारण के दौरान इस गाने तक को काट दिया। जब फिल्म टीवी पर आई तो दम मारो दम को पूरी तरह हटा दिया गया था। गजब की बात यह है कि आशा भोसले को इस गाने के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर फीमेल का अवॉर्ड भी मिला था। देवानंद ने फिल्म में इसे एंटी-ड्रग मैसेज के तौर पर रखा था लेकिन गाने की कैची धुन और बोल्ड विजुअल्स ने इसे अलग ही पहचान दे दी।

चिंतन

कूटनीति की मेज पर फिर बढ़ा अविश्वास का साया

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव को लेकर इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चली दो दौर की लंबी और बहुप्रतीक्षित वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने साफ शब्दों में कहा कि हमने अपना अंतिम और सर्वोत्तम प्रस्ताव दे दिया है, अब देखना है कि ईरान इसे स्वीकार करता है या नहीं। यह बयान केवल एक असफल वार्ता का संकेत नहीं, बल्कि वैश्विक कूटनीति में गहराते अविश्वास और टकराव की नई परतों को भी उजागर करता है। इस पूरे घटनाक्रम में इस्लामाबाद एक अहम कूटनीतिक मंच बनकर उभरा, जहां पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। वेंस द्वारा पाकिस्तान की सराहना यह दर्शाती है कि वार्ता की विफलता का कारण मेज़बान देश नहीं, बल्कि दोनों पक्षों के बीच बुनियादी मतभेद हैं। खासकर परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में ढील और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहमति का अभाव साफ नजर आया। वार्ता के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान का टोल टैक्स वसूलने का निर्णय और उस पर अमेरिका की नाकाबंदी की चेतावनी खाड़ी में एक बड़े संघर्ष की नींव रख रही है। यह स्पष्ट है कि ईरान अब अपनी शर्तों पर क्षेत्रीय दबदबा बढ़ाना चाहता है, जो न केवल अमेरिका के लिए, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी चुनौती है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं (तेल और गैस) के लिए मिडिल ईस्ट पर बहुत अधिक निर्भर है। होर्मुज में चल रहे इस विवाद से भारतीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है और ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका की प्राथमिक चिंता ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। वेंस ने दो टूक कहा कि अमेरिका को साफ और ठोस प्रतिबद्धता चाहिए कि ईरान भविष्य में परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा। हालांकि, ईरान की ओर से इस पर कोई स्पष्ट आश्वासन न मिलना इस वार्ता के टूटने की बड़ी वजह बना। यह स्थिति बताती है कि 2015 के परमाणु समझौते के बाद जो भरोसा धीरे-धीरे बना था, वह अब लगभग समाप्त हो चुका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख भी कम चिंताजनक नहीं है। उनका यह कहना कि समझौता हो या न हो, कोई फर्क नहीं पड़ता, यह कूटनीति की गंभीरता को कमतर आंकने जैसा है। ट्रंप की आक्रामक रणनीति और त्वरित परिणामों की चाह, दीर्घकालिक शांति प्रयासों के रास्ते में बाधा बनती दिख रही है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है और इसका बंद होना न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इस पूरी प्रक्रिया में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि लगभग आधी सदी की दुश्मनी के बाद दोनों देश आमने-सामने बैठे। यह अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसके साथ ही यह भी स्पष्ट है कि संवाद की यह शुरुआत बेहद नाजुक है। अगर इसे सही दिशा नहीं मिली, तो यह अवसर भी अतीत की तरह विफलता में बदल सकता है। इस्लामाबाद वार्ता की असफलता यह संदेश देती है कि केवल फाइनल ऑफर देने से कूटनीति सफल नहीं होती। इसके लिए धैर्य, लचीलापन और आपसी भरोसे की आवश्यकता होती है। अंततः, यह वार्ता भले ही किसी समझौते पर खत्म न हुई हो, लेकिन इसे एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। एक ऐसा अवसर, जो भविष्य में संवाद के नए रास्ते खोल सकता है। यदि दोनों पक्ष अपने रुख में नरमी लाते हैं और क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता देते हैं, तो यह असफलता भी एक बड़ी सफलता की भूमिका बन सकती है।

श्रद्धा स्मरण
डॉ. घनश्याम बादल

'अभी न जाओ छोड़ कर...'

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय फ़िल्म जगत को लगातार बड़े नाम के जाने से झटका लगा है। अभी चले गए कलाकारों के गम को सिने जगत भूल भी नहीं पाया था कि रविवार 12 अप्रैल को चंचल, शोख व रोमांटिक फिल्मी गीतों की अद्भुत गायिका, गायन क्षेत्र की लाइट हाउस, सुरों की मल्लिका और गीत, ग़ज़ल, पॉप के साथ-साथ भजन एवं शास्त्रीय गीतों की स्टूडियो में सबसे ज्यादा एकल गीत रिकॉर्ड करने वाली आशा भोसले भी छोड़ कर चली गई हैं।

भारतीय सिने-संगीत की समृद्ध परंपरा में आशा भोसले का नाम एक ऐसे स्वर के रूप में दर्ज है, जिन्होंने समय, शैली और सीमाओं को लगातार लांघते हुए हर पीढ़ी को अपना मुरीद बनाया। 8 सितंबर 1933 को सांगली में जन्मीं आशा, अपने समय के प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतज्ञ-गायक दीनानाथ मंगेशकर की पुत्री थीं और उसी संगीत-सिक्त वातावरण में पली-बढ़ीं, जहां सुर ही जीवन का पहला और अंतिम सत्य था। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां अचानक उनके और बड़ी बहन लता मंगेशकर के कंधों पर आ गईं। यही वह दौर था जब बचपन ने बिना आहट युवावस्था का रूप ले लिया और संघर्ष ने उनकी आवाज़ में एक अनोखी परिपक्वता भर दी। परिवार में बड़ी दीदी लता मंगेशकर के साथ उनका संबंध हमेशा विशेष रहा। दोनों ही बहनें अपने-अपने ढंग से संगीत की साधक थीं। यद्यपि पेशेवर प्रतिस्पर्धा की चर्चाएं समय-समय पर होती रहीं, परंतु निजी जीवन में यह रिश्ता सम्मान, स्नेह और एक-दूसरे की कला के प्रति गहरी समझ से भरा रहा। छोटी बहन उषा मंगेशकर के साथ भी उनका रिश्ता आत्मीयता और सहयोग का रहा, जहां परिवार की डोर ने हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जोड़े रखा। यह वही पारिवारिक पृष्ठभूमि थी, जिसने आशा को न केवल एक महान गायिका बनाया, बल्कि जीवन के हर मोड़ पर दृढ़ बने रहने की शक्ति भी दी। कम उम्र में उन्होंने गणपत राव भोसले से विवाह किया, जो परिवार की इच्छा के विरुद्ध था।

यह संबंध अधिक समय तक टिक नहीं सका और वैवाहिक जीवन में आए तनावों ने अंततः अलगाव का रूप ले लिया। इस टूटन ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, लेकिन यहीं से उनके जीवन का वह अध्याय शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपने अस्तित्व को पूरी तरह संगीत के हवाले कर दिया। वे अपने बच्चों के साथ एक नई शुरुआत के लिए खड़ी हुईं और संघर्ष के उस कठिन दौर में भी अपनी आवाज़ को कभी थकने नहीं दिया। फिल्मी दुनिया में शुरुआती दौर आसान नहीं था। जहां एक ओर उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर स्वर कोकिला के रूप में फिल्म जगत में छाई हुई थी, वहीं उन्हें लंबे समय तक छोटे बजट की फिल्मों और तथाकथित 'दूसरे दर्जे' के गीतों तक सीमित रखा गया। उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचानने वालों में सबसे प्रमुख रहे संगीतकार ओ. पी. नैय्यर, जिन्होंने आशा की आवाज़ में वह चंचलता और ऊर्जा देखी, जो मुख्यधारा के संगीत में एक नई ताजगी ला सकती थी। "आईये मेहरबान" और "जरा हौले-हौले चलो" जैसे गीतों ने उन्हें नई पहचान दी।

इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनका रचनात्मक और व्यक्तिगत संबंध भारतीय संगीत इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में गिना जाने लगा। "पिया तू अब तो आजा", "दम मारो दम" और "चुरा लिया है तुमने" जैसे गीतों ने न केवल उन्हें लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचाया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि वे हर शैली, चाहे वह कैबरे हो, ग़ज़ल हो या पॉप सबमें समान अधिकार से गा सकती हैं। फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के साथ भी उनके संबंध बेहद पेशेवर और सृजनात्मक रहे। गुरुदत्त की फिल्मों में उनकी आवाज़ ने संवेदनशीलता को नया आयाम दिया, तो विजय आनंद की फिल्मों में उनकी गायकी ने आधुनिकता और रोमांच का नया रंग भरा। संगीतकारों में खय्याम के साथ फिल्म उमराव जान के गीत "इन आंखों की मस्ती" ने उनकी गायकी के शास्त्रीय पक्ष को अमर कर दिया। इसी तरह इलैया राजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ भी उन्होंने समय के साथ खुद को ढालते हुए नई पीढ़ी में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। उनके जीवन का हर मोड़ मानो उनके गीतों में ढलता चला गया। "पिया तू अब तो आजा" में उनकी आवाज़ की बेचैनी, "दम मारो दम" में विद्रोह की धुन, "इन आंखों की मस्ती" में ठहराव और गहराई, सब उनके अपने जीवन के अलग-अलग रंगों का ही प्रतिबिंब प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव बन जाता है। व्यक्तिगत जीवन में आर. डी. बर्मन के साथ उनका विवाह उनके जीवन का स्थिर और सृजनात्मक दौर साबित हुआ, जहां दोनों ने एक-दूसरे की कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके बच्चों, हेमंत भोसले और वर्षा भोसले के साथ उनका संबंध स्नेह और आत्मीयता से भरा रहा, हालांकि जीवन ने उन्हें कई व्यक्तिगत दुःख भी दिए। फिल्म जगत में जहां व्यक्तिगत संबंध एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि लाभ का सौदा रहती है और फिल्म जगत से जुड़े हुए लोगों को आसानी से प्रमोशन और किकबैक मिल जाते हैं, लेकिन आशा भोसले को लता मंगेशकर की छोटी बहन होने का लाभ कम और नुक़सान ज़्यादा हुआ। एक ऐसा लंबा दौर उनके जीवन में आया, जब सुरीली आवाज, गायन की गहरी समझ और पूरे समर्पण के साथ हर शैली में गाने की महारत के बावजूद उनकी प्रतिभा का इस्तेमाल उतना नहीं हो पाया जितना होना चाहिए था। कई बार तो कुछ बातों को लेकर उनके लता मंगेशकर के साथ गहरे मतभेद भी चर्चा में रहे, लेकिन उनके समर्पण और श्रेष्ठ गायन के चलते समय के साथ उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार और पद्म विभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा गया, लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है जो उन्हें करोड़ों श्रोताओं से मिला। उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद उनका संगीत के प्रति समर्पण कभी कम नहीं हुआ। उनकी विरासत केवल परिवार तक सीमित नहीं रही, बल्कि संपूर्ण भारतीय संगीत जगत में व्यापक रूप से फैली हुई है। आज जब उनकी धुनें स्मृतियों में गूंजती हैं, तो नई पीढ़ी उन्हें एक प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कला समय की सीमाओं से परे होती है और स्वर कभी समाप्त नहीं होते, वे केवल रूप बदलकर सदा जीवित रहते हैं। वह आख़िरी समय तक सुरों की साधना में लीन रहीं। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक पूरे युग की प्रतिनिधि गायिका रही हैं, एक ऐसा युग, जिसकी हर धुन, हर गीत और हर स्वर भारतीय संगीत की आत्मा में हमेशा गूंजता रहेगा, जैसे कोई मधुर पुकार-"पिया तू...अब तो आजा..."।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नमन

कृति जैन

आशा भोसले : सुरों की वह शक्ति, जो इतिहास बन गई

आज का संगीत संसार एक ऐसी रिक्तता के सामने खड़ा है, जिसे शब्दों में समेटना कठिन है। आशा भोसले के निधन ने भारतीय संगीत की उस धड़कन को मौन कर दिया है, जो कई पीढ़ियों की भावनाओं में जीवित रही। 12 अप्रैल 2026 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 92 वर्ष की आयु में उनका निधन केवल एक कलाकार का अंत नहीं, बल्कि एक युग का शांत हो जाना है। फेफड़ों के संक्रमण, थकान और बढ़ती उम्र ने शरीर को दुर्बल किया, पर उनकी स्वर-छवि स्मृतियों में अमर है। ओ. पी. नैय्यर से लेकर आर. डी. बर्मन तक, उनकी गायकी ने हर दौर को नई पहचान और रंग दिया। इस शोक में भी ऐसा लगता है मानों उनकी धुनें अब भी हवा में तैर रही हों- जैसे संगीत उन्हें पूरी तरह विदा करने को तैयार न हो। बचपन की कठिनाइयों से उभरकर आशा ने संगीत को ही अपना सहारा बना लिया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में मंगेशकर परिवार में जन्मी आशा केवल नौ वर्ष की थीं, जब उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। इसके बाद परिवार मुंबई आ गया, जहां अभाव और संघर्ष के बीच उन्होंने बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ संगीत की शिक्षा ली। सोलह वर्ष की आयु में 1949 में उन्होंने गणपतराव भोसले से विवाह किया, जिसे परिवार की स्वीकृति नहीं मिली, फिर भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपने संकल्प को बनाए रखा। 1948 में फिल्म 'चुनरिया' के गीत 'सावन आया' से उन्होंने पार्श्वगायन की शुरुआत की, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक संगीत यात्रा बनी। यह शुरुआत एक ऐसी सशक्त आवाज़ का उदय थी, जिसने भारतीय सिनेमा संगीत को नई दिशा और पहचान दी। उनके करियर में सफलता और ऊंचाइयों की श्रृंखला मिलती है। ओ. पी. नैय्यर के साथ गीतों में चंचलता उभरी, जबकि आर. डी. बर्मन के साथ उन्होंने प्रयोगधर्मिता का नया दौर शुरू किया। 'तीसरी मंजिल' का 'आजा आजा', 'हरे राम हरे कृष्णा' का 'दम मारो दम' और 'उमराव जान' का 'दिल चीज क्या है' भारतीय संगीत की पहचान बन गए। उन्होंने 12,000 से अधिक गीत हिंदी, मराठी, बंगाली, तमिल और गुजराती सहित कई भाषाओं में गाए। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उन्हें सबसे अधिक गीत रिकॉर्ड करने वाली गायिका का दर्जा मिला। शंकर-जयकिशन, खय्याम, इलैयाराजा और ए. आर. रहमान जैसे संगीतकारों के साथ उनकी आवाज़ ने नया जादू रचा। वे केवल पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक स्वर-शक्ति थीं, जिसने हर शैली को नया रूप दिया। 1980 के आसपास आर. डी. बर्मन के साथ उनके संबंधों ने उनके जीवन में भावनात्मक मोड़ जोड़ा, जिसकी चर्चा हुई। उन्होंने 'आशा' नाम से रेस्तरां श्रृंखला शुरू की, जिसने दुबई से दोहा तक पहचान बनाई। 2013 में फिल्म 'माई' से उन्होंने अभिनय में भी कदम रखा। उनका यह बहुआयामी व्यक्तित्व उन्हें एक सशक्त और प्रेरक हस्ती बनाता है। आशा भोसले को उनके योगदान के लिए पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार, सात फिल्मफेयर और दो राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले। उन्होंने भजन, ग़ज़ल, पॉप और वेस्टर्न संगीत में भी अपनी सशक्त आवाज़ दी, जिससे उनका प्रभाव राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर तक पहुंचा। 'ये मेरा दिल' जैसे गीतों में हेलेन के लिए उनकी गायकी ने अलग पहचान बनाई, वहीं 'लगान' जैसे प्रोजेक्ट्स में उनकी उपस्थिति ने नई ऊर्जा दी। कॉर्नरशॉप के 'ब्रिमफुल ऑफ आशा' और क्रोनोस क्वार्टेट के साथ सहयोग ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर विशिष्ट स्थान दिलाया। उनकी सॉप्रानो आवाज़ ने भारतीय संगीत की सीमाएं लांघकर विश्व संगीत में भी अमिट छाप छोड़ी। वे हर शैली में सहज रहीं और हर प्रयोग को सफलता में बदलती रहीं।

जीवन के अंतिम वर्षों में भी आशा भोसले पूरी तरह सक्रिय रहीं। उन्होंने डिजिटल मंचों पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। 2026 में गोरिलाज जैसे अंतरराष्ट्रीय समूह के साथ उनका अंतिम सहयोग उनकी प्रयोगधर्मिता और नवाचार के प्रति समर्पण का सशक्त प्रमाण बना। उनकी पोती जनाई भोसले भी संगीत की परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं, जिससे यह धरोहर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवित है। आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार की विदाई नहीं, बल्कि भारतीय संगीत के स्वर्णिम युग के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। फिर भी यह अंत पूर्ण नहीं, क्योंकि उनके गीत समय के साथ अमर रहेंगे। आज देश और दुनिया भर में उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ स्मरण किया जा रहा है। उनका नाम आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। आशा भोसले-एक स्वर-आत्मा, जो समय से परे जाकर भी अमर है और सुरों की दुनिया में सदा प्रकाश बनकर चमकती रहेगी।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मेहनत के बाद भी क्यों नहीं मिल रही सफलता

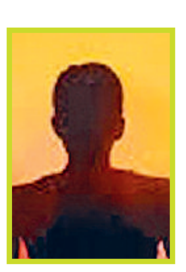

संकलित

दर्शन

संसार में किसी भौतिक वस्तु या सुख प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। पुरुषार्थ प्राथमिक आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त वांछित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ऊर्जा, कौशल, दैव (प्रारब्ध या सौभाग्य) और तत्परता (इच्छाशक्ति) भी आवश्यक है। ये पांच तत्व अत्यंत अनिवार्य हैं। अतः पुरुषार्थ करें। यह विश्वास रखें कि सौभाग्य आपके साथ है और फिर कौशल अर्जित करें।

अपनी ऊर्जा और कौशल को कैसे बढ़ाया जाए? जब आप ध्यान और मंत्रोच्चार के द्वारा अपने भीतर की सकारात्मकता को जाग्रत करते हैं, तो यह आपके कौशल, ऊर्जा और सौभाग्य में वृद्धि करता है। इन तीनों के होने के पश्चात भी, आपको पुरुषार्थ करना होगा और फिर यह फलीभूत होने में अपना नियत समय भी लेगा। हमें अपना ध्यान लक्ष्य पर केंद्रित रखते हुए निरंतर कर्म करते रहना होगा; प्रारंभिक समय में बार-बार मिलने वाली असफलता की परवाह किए बिना हमें सतत प्रयास करते रहना चाहिए। प्राचीन वेदों एवं शास्त्रों, वैदिक अनुष्ठानों में, आरंभ में संकल्प का विधान है। संकल्प लें-एक दृष्टि और एक लक्ष्य चुनें और फिर उसे समर्पित कर दें। समर्पण अर्थात उसे ईश्वर को अर्पित करना। यह कहना-"यह मेरी इच्छा है, किन्तु आप जो मेरे लिए श्रेष्ठ समझें। यदि यह या इससे भी उत्तम कुछ हो, तो मैं उसे स्वीकार करने को तत्पर हूं।"

मृत्यु अटल है, जो ये बात समझते हैं, वे प्रसन्न रहेंगे

संकलित

प्रेरणा

एक प्रवचन के बाद एक व्यक्ति तुकाराम के पास आया और बोला कि आप इतने आनंद में और शांत कैसे रहते हैं? तुकाराम जी ने उस व्यक्ति की बातें ध्यान से सुनीं और अचानक बोले कि भाई सात दिनों के बाद तुम्हारी मृत्यु होने वाली है। ये बात सुनते ही तुरंत ही उस व्यक्ति की हालत खराब हो गई। क्योंकि वह मानता था कि तुकाराम जी बहुत सिद्ध संत हैं, इनकी बात गलत नहीं हो सकती है। उसने तय किया कि जीवन के सात दिन बचे हैं तो अब आनंद के साथ ही जीना चाहिए। उस व्यक्ति ने अपनी जीवन शैली ही बदल दी। सभी के साथ प्रेम से रहने लगा। उसने जो गलतियां की थीं, उनमें सुधार किया। जिन लोगों को उसकी वजह से नुकसान हुआ था, उनसे क्षमा मांगी। हर पर प्रसन्न रहने लगा। इसी तरह सातवां दिन आ गया। उनसे सोचा कि अंतिम दिन अपने गुरु से भी मिल लेना चाहिए। वह तुरंत ही तुकाराम जी के पास पहुंच गया। उसने कहा कि जैसा आपने कहा था कि मेरी सात दिन बात मृत्यु होगी। आज सातवां दिन है। अंतिम दिन मैं आपसे मिलने आया हूं। तुकाराम जी ने उसकी बात सुनी और कहा कि जुग-जुग जियो। ये बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा कि गुरु जी मैं अगले दिन तो मैं मर जाऊंगा तो आप ऐसा आशीर्वाद क्यों दे रहे हैं? तुकाराम जी ने कहा कि मैंने तो तुम्हें तुम्हारे ही सवाल का जवाब दिया था, तुमने मेरे प्रसन्न रहने का रहस्य पूछा था।

अंतर्मन

आज की पाती

सांझा चूल्हा से होगी ऊर्जा की बचत

रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। विपक्ष इसे आम आदमी पर बढ़ते आर्थिक बोझ के रूप में उठाता है, तो सत्ता पक्ष अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देता है। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, क्योंकि महंगाई और जीवनयापन की लागत सीधे जनता के जीवन को प्रभावित करती है। लेकिन इस पूरे विमर्श में अक्सर एक महत्वपूर्ण पक्ष छूट जाता है- समाज की अपनी सामूहिक शक्ति और संकट के समय मिल-जुलकर समाधान खोजने की क्षमता। भारतीय समाज की मूल संरचना ही सामूहिकता पर आधारित रही है। इसी सामाजिक संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है- 'सांझा चूल्हा'। **- संजय खोखर, रोहतक**

ट्रेंड

कस्टम रेंटल सेंटर

हर किसान के लिए बड़ी मशीनें खरीदना संभव नहीं होता, इसलिए पंचायत स्तर पर कस्टम रेंटल सेंटर और मशीन बैंक विकसित किए जाएंगे। इससे किसानों को उचित किराए पर आधुनिक मशीनों का उपयोग करने में सुविधा मिलेगी।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

महिला नेतृत्व में विकास

अब महिलाओं की शक्ति ही देश की दिशा तय करेगी। देश के विभिन्न वर्गों की महिलाएं आज प्रधानमंत्री मोदी को सशक्तिकरण के ऐतिहासिक अवसर के लिए धन्यवाद दे रही हैं। चर्चा केवल महिलाओं के विकास तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि महिला नेतृत्व में विकास की होगी।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

सदा अमर रहेंगी आशा

पद्म विभूषण आशा भोसले के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। आज संगीत जगत ने एक महान व्यक्तित्व को खो दिया है। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अपने अनगिनत मधुर गीतों के माध्यम से सदा अमर रहेंगी।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

महिला विधायक

राज्य में चल रहे चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाना इस बात की और पुष्टि करता है कि मोदी सरकार महिलाओं को वास्तव में सशक्त बनाने के बजाय राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस विधेयक को जल्दबाजी में लागू कर रही है।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा

अमेरिका में स्वामी विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का सिएटल में अनावरण किया गया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद के सम्मान में स्थापित की गई है।

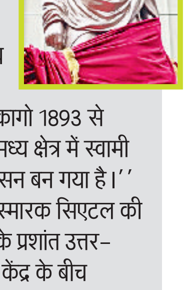

अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है। भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है।'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है।

ऑफ बीट

सौ वर्षों से हम तारों की दुनिया से हो रहे रूबरू

तारीख थी सात मई 1925। प्राचीन काल से ही लोग तारों और ग्रहों को अपने-अपने तरीके से समझने का प्रयास करते आएं हैं। 1700 के दशक में, सौरमंडल का एक घड़ीनुमा मॉडल, ऑरेरी, विकसित किया गया। "प्लैनेटोरियम" यानी तारामंडल शब्द का आविष्कार ग्रहों को दर्शाने वाले 'ऑरेरी' का वर्णन करने के लिए किया गया था। खगोलशास्त्री ईसे ईसिंगा ने एक कमरे के आकार का ऑरेरी मॉडल तैयार किया था। यह आज भी नीदरलैंड के फ्रैनेकर में काम कर रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए कोई भी मनुष्य सौरमंडल के आसपास नहीं गया है। ऑरेरी और ब्रह्मांड के अन्य यांत्रिक मॉडल जैसे आकाशीय ग्लोब ही बाहरी परिप्रेक्ष्य से दृश्य प्रस्तुत करते हैं। तारों और ग्रहों को वास्तविक रूप से देखने की इच्छा 20वीं सदी की शुरुआत में तेजी से बढ़ी, क्योंकि बढ़ते शहरीकरण से होने वाले प्रदूषण ने रातों में दिखने वाले आकाश को धुंधला कर दिया था। जर्मनी के म्यूनिख में स्थित डॉयचे संग्रहालय के प्रथम निदेशक ओस्कर वॉन मिलर जैसे लोग तारों और ग्रहों से सभी को रूबरू कराना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि वॉन मिलर के करियर की शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में हुई थी।

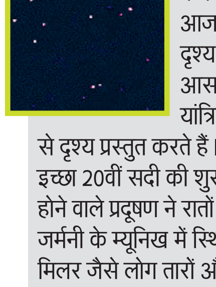

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

टाइटंस ने सुपर जायंट्स को 7 विकेट से दी शिकस्त

गुजरात की दूसरी जीत, लखनऊ ढेर बटलर-गिल की फिफ्टी, कृष्णा का कहर

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। सुपर जायंट्स को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का सुंदर बो कृष्णा	30	21	5	1
मार्श का गिल बो रबाडा	11	4	1	1
पंत का तेवतिया बो सिराज	18	11	2	1
बडोनी का फिलिप्स बो कृष्णा	9	11	1	0
निकोलस पूरन का गिल बो कृष्णा	19	21	0	2
समद का फिलिप्स बो अशोक	18	22	2	0
मुकुल चौधरी का बटलर, बो प्रसिद्ध	18	4	1	1
लिंडे का स्थानापन्न बो अशोक	16	10	3	0
मोहम्मद शमी नाबाद	12	5	1	1
आवेश खान नाबाद	4	1	1	0

अतिरिक्त: 9 कुल योग: (20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन)
गेंदबाजी: सिराज 4-0-19-1, रबाडा 4-0-54-1, अशोक 4-0-32-2, प्रसिद्ध 4-0-28-4, राशिद 4-0-25-0.

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का आवेश बो राठी	15	14	3	0
गिल का पंत बो प्रिंस	56	40	6	1
बटलर का मारक्रम बो शमी	60	37	11	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	21	13	2	1
राहुल तेवतिया नाबाद	10	8	1	0

अतिरिक्त 03 कुल योग: (18.4 ओवर में तीन विकेट पर) 165 रन
गेंदबाजी: शमी 4-0-36-1, प्रिंस4-0-31-1, राठी 4-0-31-1, लिंडे3-0-28-0, आवेश2-0-24-0, मारक्रम 1.4-0-15-0.

कोहली से आगे निकले गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल के 19वें मैच में कप्तानी पारी खेली और अर्धशतक लगाया। गिल ने अपनी इस अर्धशतकीय पारी के दम पर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया और विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। गिल अब आईपीएल में सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए।

बटलर की खास उपलब्धि

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में खास उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 14 हजार रन पूरे कर लिए हैं। बटलर टी20 क्रिकेट में 14 हजार रन बनाने वाले महज पांचवें बल्लेबाज हैं। बटलर से पहले यह मुकाम सिर्फ क्रिस गेल, कीरोन पोलार्ड, एलेक्स हेल्स और डेविड वॉर्नर ही हासिल कर सके हैं। टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड गेल के नाम है, जिन्होंने 463 मुकाबलों में 144 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14,562 रन बनाए हैं।

रॉयल चैलेंजर्स 18 रन से जीती मुंबई लगातार तीसरा मैच हारी

सॉल्ट, कोहली और पाटीदार की फिफ्टी

मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और विराट कोहली के अर्धशतकों से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी20 मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हरा दिया। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद आरसीबी ने शीर्ष क्रम में सॉल्ट (78 रन), पाटीदार (53 रन) और कोहली (50 रन) की बदौलत चार विकेट पर 240 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 222 रन बना सकी। उसके लिए शेरफाने रदरफोर्ड ने 31 गेंद में 71 रन (नौ छक्के, एक चौका) की नाबाद पारी खेली और शीर्ष स्कोरर रहे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 40 रन, रेयान रिकलटन ने 37 रन और सूर्यकुमार यादव ने 33 रन का योगदान दिया। आईपीएल के 13 सत्र में पहली दफा टूर्नामेंट की शुरूआत जीत से करने के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम इस लय को जारी नहीं रख सकी जिससे उसे लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। वहीं गत चैंपियन आरसीबी की यह चार मैच में तीसरी जीत है जिससे वह छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। मैच में कई वाइड और नो-बॉल हुईं तथा कई रिव्यू लिए गए जिससे मैच खत्म होने में काफी समय लगा। सॉल्ट और कोहली ने पहले विकेट के लिए 65 गेंद में 120 रन की भागीदारी निभाई। सॉल्ट ने 36 गेंद का सामना करते हुए छह छक्के और इतने ही चौके जमाए।

विजय रथ पर सवार रॉयल्स सनराइजर्स के बड़ी सामने चुनौती!

हैदराबाद। बेहतरीन फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को जब सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी तो उसकी नजरें शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर टिकी होंगी। रॉयल्स ने मौजूदा सत्र में लगभग हर विभाग में अपना दबदबा दिखाया है। चार मैच में चार जीत टीम के दबदबे को दिखाती है। टीम के पास खतरनाक शीर्षक्रम और बेहद संतुलित गेंदबाजी आक्रमण है। टीम की सफलता में यशस्वी जायसवाल और किशोर स्टार वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार सलामी जोड़ी की अहम भूमिका रही है, जिन्होंने पावरप्ले में लगातार विरोधी टीम के आक्रमण को ध्वस्त किया है। जायसवाल और सूर्यवंशी की निडर बल्लेबाजी ने उन्हें मौजूदा सत्र की सबसे खतरनाक जोड़ियों में से एक बना दिया है।

हरियाणा के मुक्केबाज दक्ष ने महाराष्ट्र में लगाया गोल्डन पंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

हरियाणा के बॉक्सर दक्ष पंवार ने 48 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया दक्ष पंवार ने फाइनल में आंध्र प्रदेश के मुक्केबाज साईं लोहित को 5-0 से पराजित किया। दक्ष ने अपनी जीत का श्रेय आर्यन बॉक्सिंग क्लब के संचालक अंतराराष्ट्रीय कोच अपने गुरु संजीव कुमार को दिया और साथ ही अनिल धनखड़ कोच के मार्गदर्शन में अपने खेल को निखारा। इस उपलब्धि के पीछे उनके बड़े भाई एवं व गुरु समान बाक्सर आशिष छिक्कारा, गौदुग्ध और आर्यसमाज बोहर रोहतक की प्रेरणा और आशीर्वाद का भी अहम योगदान रहा। अपनी आगामी प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए पटियाला में आयोजित नेशनल बॉक्सिंग कैंप में मेहनत करके उज्बेकिस्तान में आयोजित जूनियर एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक लाने का वादा किया और साथ ही आर्यन बॉक्सिंग क्लब रोहतक, प्रदेश,देश का नाम रोशन करने का भी वादा किया।

एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में भारत ने जीते 17 पदक

अंतिम दिन अमन और मुकुल ने रजत व दिनेश ने कांस्य पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

एशियन कुश्ती प्रतियोगिता में रविवार को अंतिम दिन भारत के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें झज्जर के अमन सेहरावत और सोनीपत मुकुल दहिया ने रजत पदक जीता। वहीं, झज्जर दिनेश ने कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित की गई। अंतिम दिन मिले तीन पदकों दो रजत और एक कांस्य - के साथ एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के कुल पदकों की संख्या 17 हो गई। भारत के ग्रीको-रोमन पहलवानों ने पांच पदक जीते दो रजत और तीन कांस्य, जबकि महिला दल ने भी पांच पदक जीते, जिनमें एक रजत और चार कांस्य शामिल थे। भारतीय फ्रीस्टाल में पहलवानों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य सहित सात पदक जीते। भारत ने 2026 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 30 पहलवानों को भेजा था, जिनमें से 10 पुरुष फ्रीस्टाइल, 10 महिला और 10 ग्रीको-रोमन वर्ग में थे। ओलंपिक पदक विजेता अमन सेहरावत ने पुरुषों के फ्रीस्टाइल 61 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में हारने के बाद रजत पदक जीता। 22 वर्षीय अमन सेहरावत फाइनल में डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के क्वांग म्योंग किम से 13-10 से हार गए। सेमीफाइनल में अमन ने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के अहमद जवान को कड़ी टक्कर देकर हराया। मुकुल दहिया को भी पुरुषों के 86 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा, क्योंकि उन्हें ईरान के दो बार के एशियाई चैंपियन कामरान गसेमपोर से 7-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच, दिनेश ने बहरीन के शमिल शरीपोव पर 7-1 से जीत हासिल करने के बाद 125 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता।

शेट्टी को सिल्वर मेडल से करना पड़ा संतोष

निंगबो। भारत के आयुष शेट्टी को रविवार को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ सीधे गेम में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मंगलुरु के 20 साल आयुष को लय हासिल करने में परेशानी हुई और वह चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन से 8-21, 10-21 से हार गए, जिससे इस प्रतियोगिता में भारत का पुरुष एकल स्वर्ण पदक का 61 साल का इंतजार जारी रहा। हार के बावजूद आयुष का अभियान शानदार रहा। वह दिनेश खन्ना के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने। खन्ना इस प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय एकल चैंपियन हैं।

वैश्विक तेल व्यापार मार्ग सुरक्षित होगा

अमेरिका ने होर्मुज में बारूदी सुरंग हटाने का अभियान शुरू किया
उन्नत युद्धपोत, रोबोटिक ड्रोन और हेलीकॉप्टर तैनात किए गए

अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह अभियान खास तौर पर उन सुरंगों को हटाने के लिए है जिन्हें ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जोड़ा जा रहा है। ये सुरंगें बड़े जहाजों और तेल टैंकरों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत इस ऑपरेशन में शामिल

यूयूवी ड्रोन समुद्र में सोनार तकनीक से समुद्र की सतह का नक्शा बना रहे

हेलीकॉप्टर खास लेजर सिस्टम की मदद से मौजूद सुरंगों की पहचान कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी सेना ने इस अहम समुद्री रास्ते में बिछी संभावित बारूदी सुरंगों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए उन्नत युद्धपोत, ड्रोन और हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के तहत दो गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत इस ऑपरेशन में शामिल हैं। इनका मुख्य काम समुद्र में छिपी बारूदी सुरंगों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना है, ताकि जहाजों की आवाजाही सुरक्षित हो सके। अमेरिकी सेना के मुताबिक, यह अभियान खास तौर पर उन सुरंगों को हटाने के लिए है जिन्हें ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जोड़ा जा रहा है।

सुरक्षा के साथ-साथ रक्षा भी

ये युद्धपोत सिर्फ सुरंग हटाने में मदद नहीं कर रहे, बल्कि सुरक्षा भी दे रहे हैं। इनमें आधुनिक एजिस कॉम्बैट सिस्टम और इंटरसेप्टर मिसाइलें लगी हैं, जो हवाई या समुद्री हमलों को रोक सकती हैं। अमेरिकी एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि नया सुरक्षित समुद्री रास्ता तैयार किया जा रहा है, जिसे जल्द ही जहाजों के लिए खोला जाएगा ताकि व्यापार सामान्य हो सके।

ड्रोन से होगी समुद्र की जांच

अमेरिका इस काम के लिए सीधे जहाजों को खतरे में नहीं डाल रहा है। इसके बजाए पानी के अंदर चलने वाले रोबोटिक ड्रोन यानी यूयूवी (अनमैन्ड अंडरवाटर व्हीकल) का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये ड्रोन टॉरपीडो के आकार के होते हैं और अपने आप समुद्र में घूमकर हाईटेक सोनार तकनीक से समुद्र की सतह का नक्शा बनाते हैं। इससे छिपी हुई बारूदी सुरंगों का पता लगाया जाता है।

हेलीकॉप्टर भी निभा रहे अहम भूमिका

इसके अलावा अमेरिका ने एमएच-60एस जैसे हेलीकॉप्टर भी तैनात किए हैं। ये हेलीकॉप्टर खास लेजर सिस्टम (एएलएमडीएस) की मदद से समुद्र की सतह या उसके ठीक नीचे मौजूद सुरंगों को पहचान सकते हैं। जब किसी सुरंग का पता चलता है, तो उसे नष्ट करने के लिए एक और रिमोट कंट्रोल सिस्टम (एएमएनएस) का इस्तेमाल किया जाता है। यह छोटा रोबोट सुरंग के पास जाकर उसे विस्फोट से खत्म कर देता है।

दिल्ली में ईरानी दूतावास ने लगाई मार्मिक प्रदर्शनी

नई दिल्ली में ईरानी दूतावास में 'एंजल्स ऑफ मिनाब' नाम की एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इस प्रदर्शनी में बच्चों की बनाई ड्रॉइंग दिखाई गई हैं। इसके अलावा, मिनाब में एलिमेंट्री स्कूल के मलबे से निकाली गई आर्टवर्क दिखाई गई। बता दें, 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इजराइल के एयरस्ट्राइक के बाद यह स्कूल तबाह हो गया था जिसमें 165 से ज्यादा बच्चों और स्टाफ सदस्यों की मौत हो गई थी। प्रदर्शनी के जरिए, ईरानी दूतावास ने इस संघर्ष में इंसानी मूल्यों की ओर ध्यान खींचने की कोशिश की और बरामद ड्रॉइंग्स को एक ऐसी दुनिया की झलक के तौर पर पेश किया।

इजराइल पर हमला करना हमारा कर्तव्य : राष्ट्रपति एर्दोगन

तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इजराइल को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम नहीं हुआ तो तुर्किए कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी। इस बयान में एर्दोगन ने इजराइल पर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ाने और मानवीय मूल्यों की अनदेखी करते हुए हमले करने का आरोप लगाया। हालिया हिंसा का जिक्र करते हुए एर्दोगन ने इजराइल की तीखी आलोचना की। उन्होंने लेबनान में सीजफायर वाले दिन नागरिकों की हत्या की निंदा की। एर्दोगन ने इजराइल के इन कृत्यों को जनसंहार नेटवर्क का हिस्सा बताया और तुर्किए की तरफ से और आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप यूएफसी इवेंट में हुए शामिल

लोगों ने की आलोचना, नजरिए पर उठाए सवाल

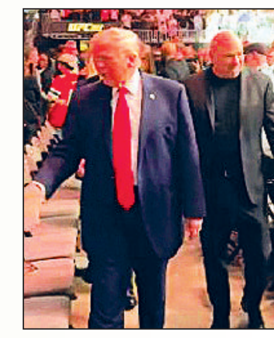

फ्लोरिडा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शनिवार को फ्लोरिडा में यूएफसी इवेंट में शामिल हुए। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने इवेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ट्रंप मियामी में यूएफसी 327 में पहुंचे, जहां फाइट देखने के लिए एरीना में जाने से पहले यूएफसी के अध्यक्ष डाना व्हाइट ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बेटी इवांका ट्रंप, पोती काई ट्रंप उनके परिवार के कई सदस्य भी मौजूद रहे। अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी शामिल थे। आलोचकों का कहना है कि एक संवेदनशील भू-राजनीतिक समय के दौरान एक बड़े स्पोर्टिंग इवेंट में राष्ट्रपति की मौजूदगी से गलत मैसेज गया। कई लोगों ने बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच एक हाई-एनर्जी फाइट नाइट में शामिल होने के नजरिए पर सवाल उठाए।

अमेरिका ने तीन ईरानी ग्रीन कार्ड रद्द किए

सैयद हाशमी, पत्नी और बेटा हिरासत में

अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और ऐतिहासिक शत्रुता के मद्देनजर 1979 के ईरान बंधक संकट की प्रवक्ता मासूमेह इब्तेकर के बेटे सैयद ईसा हाशमी पर कार्रवाई की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सैयद ईसा हाशमी और उनके परिवार का कानूनी स्थायी निवासी दर्जा (ग्रीन कार्ड) रद्द कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने तीन ईरानी नागरिकों सैयद ईसा हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ यह कार्रवाई की है। ये सभी ईरानी मूल के हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैध स्थायी निवासी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के तहत हाशमी, उनकी पत्नी और बेटे को हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें जल्द ही देश से निकाला जाएगा।

भारत ने चीन के दावों को किया खारिज

कहानियों से नहीं बदलेगी हकीकत अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश की कुछ जगहों को फर्जी नाम देने की कोशिश को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया है। एमईए के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि ऐसी किसी भी शरारती कोशिश को भारत बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश की कई जगहों, पहाड़ों, दर्रों, नदियों और बस्तियों के लिए चीनी नाम जारी किए हैं। भारत इसे दक्षिण तिब्बत मानकर अपना दावा जताता रहा है, लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह क्षेत्र भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने देखा है कि चीन भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में जगहों के नामकरण के अपने व्यर्थ और बेतुके प्रयासों को जारी रखे हुए है। हमारे सैद्धांतिक रुख के अनुरूप, हम इन प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं। जायसवाल ने कहा कि चीन की ये कार्रवाइयां संबंधों में नकारात्मकता घोलती हैं और बेहतर समझ विकसित करने के प्रयासों को कमजोर करती हैं। चीन को ऐसी कार्रवाइयों से बचना चाहिए जो संबंधों में नकारात्मकता डालें।

विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम नाहयान से की भेंट

अबू धाबी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, दो दिन की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा पर हैं। डॉ. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से अबू धाबी में मुलाकात की, जिसमें क्षेत्रीय स्थिति में हो रहे बदलाव और उसके प्रभावों पर चर्चा केंद्रित रही। विदेश मंत्री ने भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने में संयुक्त अरब अमीरात सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

नाइजीरिया में एयरस्ट्राइक बाजार पर बमबारी, 200 मरे

मैदुगुरी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर इलाके में आतंकियों का पीछा कर रहे सेना के लड़ाकू विमानों की गलत बमबारी ने बाजार को श्मशान में तब्दील कर दिया। योबे राज्य के सीमावर्ती इलाके में स्थित एक साप्ताहिक बाजार पर हुई इस बमबारी में कम से कम 200 लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28